Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 09 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, शनिवार 15 जून 2024 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

अपने लोचनों को इतना विशाल बनाओ कि विश्वलोचन बन जाये।

Expand your eyes to such an extent that they may become ryes of the world.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

संक्षिप्त समाचार

सेना को मिला स्वदेशी आत्मघाती ड्रोन, दुश्मन के घर में घुसकर होगी एयरस्ट्राइक

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय सेना की ताकत में बड़ा इजाफा हुआ है. उसे स्वदेशी ड्रोन नागस्त्र-1 की पहली खेप मिल गई है, जिसमें सेना को 120 ड्रोन सौंपे गए हैं. इस खबर से ही पाकिस्तान और चीन की नींद उड़ गई है. नागस्त्र-1 लोइटरिंग म्यूनिशन ड्रोन है यानी यह एक प्रकार युद्ध में इस्तेमाल किए जाने वाला मानव रहित वाहन है. इसे विस्फोटक ले जाने और टारगेटेड मिसाइल की तरह दुश्मनों पर हमला करने के लिए डिजाइन किया गया है. यही वजह है कि इसे आत्मघाती ड्रोन्स (सुसाइड ड्रॉन्स) कहा गया है. सेना को नागास्त्र ड्रोन को मिलने से अब उसके लिए दुश्मन के घर में घुसकर एयरस्ट्राइक करना आसान हो जाएगा.

मुख्यमंत्री केजरीवाल की नियमित जमानत की याचिका पर सुनवाई 19 जून को

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली की एक अदालत ने शुक्रवार को कथित शराब घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की नियमित जमानत की याचिका पर सुनवाई 19 जून तक के लिए टाल दी। राउज एवेन्यू कोर्ट की विशेष जज कावेरी बावेजा ने हाल ही में चिकित्सा कारणों से सात दिन की अंतरिम जमानत की मांग वाली उनकी याचिका खारिज कर दी थी।

रेल नेटवर्क से जुड़ेगा मुंगेली जिला : विष्णुदेव साय

मुख्यमंत्री ने 25 करोड़ की लागत के 19 विकास कार्यों का किया लोकार्पण एवं शिलान्यास

- कटघोरा- डोंगरगढ़ रेल परियोजना अंतर्गत भू-अर्जन की कार्यवाही जल्द : मुख्यमंत्री
- मुख्यमंत्री फरहदा में भक्त माता कर्मा मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में हुए शामिल

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि आने वाले समय में मुंगेली जिला रेल नेटवर्क में शामिल हो जाएगा, इससे मुंगेली जिले में रेल की सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने बताया कि कटघोरा-डोंगरगढ़ विशेष रेल परियोजना के लिए राज्य शासन द्वारा 300 करोड़ रूपए की राशि की स्वीकृति दी जा चुकी है। शीघ्र ही भू-अर्जन की कार्यवाही प्रारंभ की जाएगी। इस परियोजना अंतर्गत मुंगेली जिले में 38.02 किलोमीटर रेल लाईन गुजरेगी, जिससे इस क्षेत्र के लोग भी आने वाले समय में रेल सेवा से लाभान्वित होंगे। श्री साय आज मुंगेली जिले के ग्राम फरहदा में भक्त माता कर्मा मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह को सम्बोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस मौके पर ग्राम फरहदा में साहू समाज के सामुदायिक भवन के लिए 25 लाख रुपए, आदिवासी एवं सतनामी समाज के सामुदायिक भवन के लिए 6-6 लाख रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने कार्यक्रम में लगभग 25 करोड़ से अधिक की राशि के 19 विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। साथ ही उन्होंने ग्राम फरहदा में शासकीय हाई स्कूल को हायर सेकेंडरी स्कूल के रूप में उन्नयन और ग्राम भालापुर से अचानकपुर तक और हरियरपुर से टेढ़ाधौंरा तक सड़क नवीनीकरण कार्य के लिए भी घोषणा की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने भक्त माता कर्मा प्राण-प्रतिष्ठा के लिए साहू समाज एवं उपस्थित सभी लोगों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा की ग्राम फरहदा में भक्त माता कर्मा मंदिर का निर्माण बिना किसी शासकीय सहयोग के सभी ग्रामवासियों ने मिलकर करवाया है। यह ग्रामवासियों के सामूहिक एकता को दर्शाता है। उन्होंने बिलासपुर लोकसभा क्षेत्र से श्री तोखन साहू को सांसद के रूप में जिताने के लिए जनता का आभार जताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मंत्रीमंडल में सांसद श्री तोखन साहू को आवास एवं शहरी मामलों के केन्द्रीय राज्यमंत्री बनाया गया है, जो पूरे प्रदेश एवं इस क्षेत्र के लिए गौरव की बात है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा की हमारी सरकार विकास की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। प्रदेश के किसानों को हम 3100 रुपए प्रति क्विंटल धान की कीमत दे रहे है। महतारी वंदन योजना के अंतर्गत 70 लाख से अधिक महिलाओं को लाभान्वित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बिलासपुर-मुंगेली रोड से ग्राम फरहदा मार्ग जिसकी कुल लंबाई साढ़े पांच किलोमीटर है, बजट में इसे स्वीकृत किया गया है, जल्द ही इसका कार्य प्रारंभ किया जाएगा। उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कहा कि हमारी सरकार विकास के लिए समर्पित है। प्रदेश सरकार पानी, बिजली, आवास सहित विकास के सभी आयामों पर बेहतर तरीके से कार्य कर रही है।

कार्यक्रम में मुंगेली विधायक पुन्नूलाल मोहले, बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक, बिलासपुर विधायक अमर अग्रवाल, तखतपुर विधायक धर्मजीत सिंह, बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला, विधायक रायपुर मोतीलाल साहू, पूर्व सांसद लखनलाल साहू, पूर्व विधायक विक्रम मोहले, कृष्णमूर्ति बांधी, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती शीलू साहू, श्रीमती अम्बालिका साहू, श्रीमती दुर्गा उमाशंकर साहू अन्य जनप्रतिनिधिगण, प्रदेश, जिला एवं तहसील साहू समाज के पदाधिकारीगण, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी और बड़ी संख्या में सामाजिक बन्धु मौजूद रहे।

लोकार्पण और शिलान्यास : मुख्यमंत्री श्री साय ने जिन कार्यों का लोकार्पण किया उनमें ग्राम पा. खम्हरिया में 1.89 करोड़ रूपए की लागत से निर्मित 33/11 व्ही सब स्टेशन, ग्राम कंतेली में 1.87 करोड़ रूपए की राशि से निर्मित 33/11 के. व्ही सब स्टेशन और आगर व्यपवर्तन योजना के तहत 19 करोड़ 12 लाख 57 हजार रूपए की लागत से निर्मित 15 माईनर नहर में सी.सी. लाईनिंग व स्ट्रक्चरों के जीर्णोद्धार के कार्य शामिल हैं। इसी तरह 01.37 करोड़ रूपए की लागत से नवागढ़ चौक से खैरवार बायपास रोड में 06 किलोमीटर तक एल.ई.डी. स्ट्रीट लाईट लगाने का कार्य, 34.35 लाख रूपए की लागत से देवरी से खेढ़ा कालोनी में एल.ई.डी. स्ट्रीट लाईट लगाने का कार्य, शासकीय हाईस्कूल फुलवारी एफ., जोता, भटगांव तथा हायर सेकेण्डरी स्कूल खुड़िया, बैगाकापा, सुकली, देवरहट, मनोहरपुर, नगर पालिका मुंगेली, पदमपुर, जरहागांव, सिलतरा, लौदा और बैतलपुर में प्रत्येक में 07 लाख 63 हजार रूपए की राशि से कक्ष निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया।

जी-7 शिखर सम्मेलन से इतर इटली में प्रधानमंत्री मोदी ने मैक्रों, ऋषि सुनक और जेलेंस्की के साथ की द्विपक्षीय वार्ता

इटली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी-7 शिखर सम्मेलन से इतर अपुलिया में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, ब्रिटेन के पीएम ऋषि सुनक और यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। बैठक से पहले राष्ट्रपति मैक्रों ने पीएम मोदी से गर्मजोशी से मुलाकात की। पीएम मोदी को देखते ही मैक्रों ने उन्हें गले लगा लिया। इसके बाद दोनों नेताओं ने एक दूसरे का हालचाल पूछा। रिकॉर्ड तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी-मैक्रों की यह पहली मुलाकात है। फ्रांस भारत का स्ट्रैटेजिक पार्टनर है। लिहाजा दोनों देश अपने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने की दिशा में वार्ता की।

इसके बाद पीएम मोदी ने ब्रिटिश पीएम ऋषि सुनक और यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से भी बेहद गर्मजोशी से मिले। सुनक के साथ प्रधानमंत्री ने भारत-ब्रिटेन के द्विपक्षीय संबंधों समेत वैश्विक सुरक्षा, ऊर्जा जैसे मुद्दों पर बातचीत की। वहीं जेलेंस्की के साथ रूस-यूक्रेन युद्ध के समाधान को लेकर वार्ता की। प्रधानमंत्री ने बातचीत के जरिये यूक्रेन युद्ध का समाधान खोजने को प्रेरित किया। जी-7 से इतर इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के साथ भी वह द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। मेलोनी के निमंत्रण पर ही पीएम मोदी इटली में जी-7 की बैठक में हिस्सा लेने पहुंचे हैं।

जी7 समिट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन समेत कई वर्ल्ड लीडर्स से मुलाकात करेंगे। इटली पहुंचने के बाद पीएम मोदी ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा कि , हमारा लक्ष्य वैश्विक चुनौतियों का समाधान करना और उज्जवल भविष्य के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना है। इटली के अपुलिया क्षेत्र के बोर्गो एग्नाजिया के आलीशान रिसॉर्ट में 13 से 15 जून तक आयोजित होने वाले जी7 शिखर सम्मेलन में यूक्रेन में युद्ध और गाजा में संघर्ष के मुद्दों के छाये रहने की उम्मीद है। पीएम मोदी ने समिट के लिए रवाना होने से पहले कहा था कि उन्हें इस बात की खुशी है कि वो पहले विदेश दौरे पर इटली जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, ''आउटरीच सत्र में चर्चा के दौरान कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ऊर्जा, अफ्रीका और भूमध्यसागरीय क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।'' उन्होंने कहा, ''यह भारत की अध्यक्षता में आयोजित जी20 शिखर सम्मेलन और आगामी जी7 शिखर सम्मेलन के परिणामों के बीच अधिक तालमेल लाने और ग्लोबल साउथ के लिए महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-विमर्श करने का अवसर होगा।''

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी7 की बैठक से इतर इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी के साथ द्विपक्षीय बैठक भी करेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा, ''पिछले साल प्रधानमंत्री मेलोनी की भारत की दो यात्राओं ने हमारे द्विपक्षीय एजेंडे को गति और गहराई देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।'' उन्होंने कहा, ''हम भारत-इटली रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने और हिंद-प्रशांत एवं भूमध्यसागरीय क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'' प्रधानमंत्री के शिखर सम्मेलन से इतर कई द्विपक्षीय बैठकें करने की संभावना है।

कोच्चि एयरपोर्ट पर ब्लैक फ्राइडे, कुवैत से भारतीयों के शव लौटने पर गमगीन हुआ माहौल

कोच्चि (आरएनएस)। कुवैत अग्निकांड में मारे गए भारतीयों के शव शुक्रवार को वापस लाए गए। जब मरने वालों के शव कोच्चि हवाई अड्डे पहुंचे तो वहां का माहौल गमगीन हो गया। हवाई अड्डे पर पहले कभी न देखा गया यह ब्लैक फ्राइडे था।

एयरपोर्ट के एक अधिकारी ने बताया, शुक्रवार को एयरपोर्ट पर हर कोई शोक में था और सभी की आंखों से आंसू थे। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ कि एक ही समय में इतने सारे शव आए, यह असहनीय है।

भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा, चूंकि इन शवों को कार्गो माना जाता है, इसलिए हमने सुबह-सुबह विभिन्न विभागों के सभी हितधारकों की बैठक की। हमने लगभग 15 से 20 मिनट में शवों को हटाने का फैसला किया। 45 शवों के लिए सीमा शुल्क, माइग्रेशन और स्वास्थ्य संबंधी मंजूरी जल्दी ही दे दी जाएगी और इनमें से 31 को यहां सौंप दिया जाएगा। एक विशेष क्षेत्र निर्धारित किया गया था, जहां श्रद्धांजलि देने के लिए 31 शव रखे गए थे। प्रत्येक शव को संबंधित घरों तक ले जाने के लिए एम्बुलेंस दी गई।

श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली पलटी; 5 की मौत, 15 से ज्यादा घायल

दतिया/मप्र) (आरएनएस)। मध्य प्रदेश के दतिया जिले में शुक्रवार की सुबह रतनगढ़ माता मंदिर पर जवारे चढ़ाने जा रहे श्रद्धालुओं की ट्रैक्टर ट्रॉली पलट गई। हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई और 15 अन्य घायल हो गये। गंभीर रूप से घायलों को ग्वालियर रेफर किया गया है।

जानकारी के अनुसार, दीसवार गांव के श्रद्धालु कई ट्रैक्टर ट्रॉली में सवार होकर जवारे चढ़ाने के लिए रतनगढ़ माता मंदिर जा रहे थे। इनमें से एक ट्रैक्टर ट्रॉली अनियंत्रित हो गई और पुलिया से नीचे जा गिरी। उसमें लगभग 30 लोग सवार थे। इस हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई है।

नगरीय निकायों को बनाया जाएगा ऊर्जा दक्ष, एनर्जी ऑडिट कराकर कमियों-खामियों को किया जाएगा दूर

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने सभी नगरीय निकायों में बिजली बिल और एनर्जी ऑडिट के दिए निर्देश

रायपुर (विश्व परिवार)। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव ने राज्य के सभी 184 नगरीय निकायों में बिजली बिल और एनर्जी ऑडिट के निर्देश दिए हैं। उन्होंने यथासंभव पारंपरिक ऊर्जा के स्थान पर सौर ऊर्जा का उपयोग करने को कहा है। उन्होंने नगरीय प्रशासन विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा है कि अधिकांश निकायों में इस मद में राशि के अभाव के कारण समय पर बिजली के बिल का भुगतान नहीं किया जाता है। इससे नगरीय निकायों और विभाग को हर वर्ष अनावश्यक ही सरचार्ज व एरियर्स की राशि के रूप में बिजली विभाग को अतिरिक्त राशि का भुगतान करना पड़ता है। ऊर्जा और बिजली बिल के ऑडिट से इनकी बचत के उपाय करने में सहूलियत होगी। श्री साव ने बिजली बचाने और इसके खर्च में कमी लाने के लिए नगरीय निकायों में पारंपरिक ऊर्जा के बदले ग्रीन एनर्जी के उपयोग को बढ़ावा देने को कहा है। इससे निकायों का खर्च घटने के साथ ही पर्यावरण भी सुधरेगा। उप मुख्यमंत्री ने चरणबद्ध तरीके से एनर्जी ऑडिट का कार्य थर्ड पार्टी प्रोफेशनल एजेंसीज से कराने के निर्देश दिए हैं।

शहरी क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति और स्ट्रीट लाइटिंग जैसी विभिन्न जन सुविधाओं के संचालन के लिए नगरीय निकायों मे बड़ी संख्या में विद्युत कनेक्शन लिए गए हैं। विद्युत विभाग द्वारा प्रदेश के सभी 184 नगरीय निकायों में इसके लिए हजारों की संख्या में बिजली के मीटर लगाए गए हैं। इन मीटरों के माध्यम से हर महीने मीटर रीडिंग कर बिजली विभाग द्वारा बिजली का बिल निकायों को प्रेषित किया जाता है। निकायों द्वारा प्रति माह एक बड़ी राशि विद्युत देयकों के रूप में व्यय की जाती है। कई बार सरचार्ज और एरियर्स के रूप में भी बिजली विभाग को अतिरिक्त राशि का भुगतान निकायों और नगरीय प्रशासन विभाग को करना पड़ता है। विभाग द्वारा नगरीय निकायों में बिजली बिल के समायोजन के लिए बिजली विभाग को हर साल लगभग 100 करोड़ रुपए से 200 करोड़ रुपए की राशि हस्तांतरित की जाती है। वर्तमान में करीब 800 करोड़ रुपए का भुगतान लंबित होने के कारण सरचार्ज की राशि में लगातार वृद्धि हो रही है।

भव्य और सफल आयोजन रहा राष्ट्रीय आम महोत्सव : डॉ. अलंग

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित तीन दिवसीय आम महोत्सव का समापन

प्रदर्शनी में शामिल विभिन्न श्रेणियों, उत्कृष्ट प्रादर्शों को पुरस्कृत किया गया

रायपुर (विश्व परिवार)। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर, संचालनालय उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी, छत्तीसगढ़ शासन तथा प्रकृति की ओर सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में 12 से 14 जून तक आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय आम महोत्सव का समापन हुआ। समापन समारोह के मुख्य अतिथि संभागायुक्त रायपुर एवं महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, मर्रा, पाटन के कुलपति डॉ. संजय अलंग थे। समारोह की अध्यक्षता इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने की तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में संचालक उद्यानिकी श्री एस. जगदीशन उपस्थित थे। समापन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ. संजय अलंग ने कहा कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय आम महोत्सव एक अनोखा और सफल आयोजन रहा, जिसमें देश भर के 600 से अधिक कृषक प्रतिभागियों द्वारा आम की 350 विभिन्न किस्मों के दो हजार से अधिक प्रादर्श छत्तीसगढ़वासियों के अवलोकनार्थ रखे गए थे। इस आम महोत्सव को रायपुर सहित छत्तीसगढ़ के लोगों का प्यार मिला और तीन दिनों तक आमों की इतनी सारी और विविध किस्मों को दखने के लिए दर्शक उमड़े रहे। तीन दिनों के आयोजन के दौरान लगभग 5 लाख रूपये के आम एवं पौधों की बिक्री होना आयोजन की सफलता को दर्शाता है। उन्होंने इस सफल आयोजन हेतु इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल, प्रशासनिक अधिकारियों, वैज्ञानिकों तथा आयोजन समिति के सदस्यों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने कहा कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा संचालनालय उद्यानिकी एवं प्रकृति की ओर संस्था की सहयोग से पहली बार तीन दिवसीय राष्ट्रीय आम महोत्सव आयोजित किया गया, जिसे आम नागरिकों का जबरदस्त प्रतिसाद मिला। उन्होंने कहा कि आम महोत्सव में लगाई गई आम प्रदर्शनी को देखने हजारों लोग आए। महात्सव के दौरान आम की किस्मों तथा व्यंजनों पर केन्द्रित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। डॉ. चंदेल ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा आगामी वर्ष इस आम महोत्सव को और भी भव्य तथा विस्तृत रूप में आयोजित किया जाएगा। संचालक उद्यानिकी श्री एस. जगदीशन ने बताया कि छत्तीसगढ़ की आबोहवा आम की खेती के लिए काफी उपयुक्त है। राज्य की 46 लाख हेक्टेयर कृषि भूमि में लगभग ढ़ाई लाख हेक्टेयर क्षेत्र में फलों की खेती की जा रही है, जिसमें एक लाख हेक्टेयर रकबे में आम का उत्पादन हो रहा है। समापन समारोह में आम महोत्सव के दौरान लगाई गई प्रदर्शनी के अंतर्गत विभिन्न श्रेणीयों में शामिल प्रादर्शों को प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा सांत्वना पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। आम से बने व्यंजनों की प्रतियोगिता हेतु भी पुरस्कार प्रदान किये गये। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में कार्य करने वाली उत्कृष्ट संस्थाओं को भी सम्मानित किया गया।

समापन समारोह में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री जी.के. निर्माम, संचालक अनुसंधान डॉ. विवेक कुमार त्रिपाठी, प्रकृति की ओर संस्था के अध्यक्ष श्री मोहन वर्ल्यानी सहित बड़ी संख्या में प्रगतिशील कृषक प्रतिभागी, कृषि एवं उद्यानिकी विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी, विभिन्न कृषि महाविद्यालयों एवं कृषि विज्ञान केन्द्रों के कृषि वैज्ञानिक तथा छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

पीएम मोदी के नेतृत्व में एविएशन सेक्टर के 25 वर्षों के विकास का खाका तैयार हुआ

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत का सिविल एविएशन मार्केट काफी तेजी से आगे बढ़ रहा है और सरकार की नीतियों से एविएशन इंडस्ट्री के अगले 25 वर्ष के विकास का खाका तैयार हुआ है। बता दें, भारत दुनिया का सबसे तेजी से उभरता हुआ एविएशन मार्केट है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले वर्ष 19 नवंबर को भारत में 4,56,910 लोगों ने विमान में सफर किया था, जो कि कोरोना के बाद एक दिन में विमान से यात्रा करने का सबसे बड़ा आंकड़ा है।

एसआईटीए में एशिया-प्रशांत के अध्यक्ष सुमेश पटेल ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में मोदी सरकार ने भारतीयों के लिए विमान यात्रा को किफायती बनाने पर जोर दिया है। केंद्र सरकार के प्रयासों के कारण पिछले कुछ वर्षों में एविएशन सेक्टर का काफी विकास हुआ है और देश में एयरपोर्ट्स की संख्या में इजाफा देखने को मिला है।

लारा में आयोजित हुआ बालिका सशक्तिकरण अभियान 2024 का समापन समारोह

लारा (विश्व परिवार)। एनटीपीसी लारा में 17 मई से चल रहे बालिका सशक्तिकरण अभियान का समापन समारोह दिनांक 13 जून 2024 को तरंग सभागार में रंगारंग प्रस्तुति के साथ हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ श्री अनिल कुमार, कार्यकारी निदेशक (एनटीपीसी लारा) एवं श्रीमती अनुराधा शर्मा, अध्यक्षा, प्रेरिता महिला समिति की मुख्य आतिथ्य में दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। तत्पश्चात बालिका सशक्तिकरण अभियान के प्रतिभागियों द्वारा शिविर के दौरान सिखाये गए विषय को विभिन्न नृत्य एवं अभिनय द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर बालिकाओं द्वारा बनाया गया हस्तशिल्प को प्रदर्शन किया गया। इस अवसर बच्चियों तथा उनके माता पिताओं को सम्बोधन करते हुए, श्री अनिल कुमार (कार्यकारी निदेशक) ने कहा हमारी यही कर्तव्य है की हमारी आगामी पीढ़ी सशक्त हो सक्षम हो, एनटीपीसी की यह कार्यक्रम इसी काम को सफल बनाने के लिए प्रेरित है। हम सब ग्रामीण परिवेश में पल बढ़ कर इसी मुकाम तक पहुंचे है। मेरी यह विश्वास है अगर सही दिशा और सहयोग मिले तो यह बच्चियाँ भी अपनी सपने को साकार कर सकते है। उनके सपनों को साकार करने में एनटीपीसी उनके साथ है। इसी दौरान स्वछता पखवाड़ा के समय बालिकाओं मे किया गया प्रतियोगिता का पुरस्कार मुख्य अतिथि श्री अनिल कुमार, कार्यकारी निदेशक एवं श्रीमती अनुराधा शर्मा, अध्यक्षा (प्रेरिता महिला समिति) एवं सभी महाप्रबंधकगण एवं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सभी बालिकाओं को सम्मानित करते हुए बालिका सशक्तिकरण अभियान का समापन किया गया।

एनटीपीसी लारा में बालिका सशक्तिकरण अभियान आयोजन करने का यह तृतीय संस्कारण है। इस साल यह व्यक्तित्व विकास का कार्यशाला बालिका सशक्तिकरण अभियान 2024 मई 17 से लेकर 13 जून तक आयोजित किया गया था। इस कार्यशाला में आस पास के साशकीय विद्यालय में पढ़ रहे, 10 से 11 वर्ष की आयु वर्ग की 40 बालिकाओं का चयन कर उनका व्यक्तित्व विकास पर आधारित यह कार्यशाला आयोजित किया गया। इसमे उनको विद्यालयीन पाठ्यक्रम के अतिरिक्त ड्राविंग, पेंटिंग, हस्त सिल्प, योगा, आत्मरक्षा, नृत्य, अभिनय आदि सिखाया गया। समापन समारोह में राजीव रंजन, महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण), रवि शंकर, महाप्रबंधक (परियोजना), जाकिर खान, अपर महाप्रबंधक (मानव संसाधन), विजेंद्र सिंह, सहायक कमांडेंट (सीआईएसएफ), विभागाध्यक्षगण, कर्मचारीगण, बालिकाओं के माता पिता उपास्थि रहे।

फादर्स डे के अवसर पर सोनी सब कलाकारों ने अपने पिता को बताया सुपरहीरो

फादर्स डे के अवसर पर, सोनी सब के प्रिय सितारे अपने पिता के प्रति गहरा स्नेह और सम्मान व्यक्त कर रहे हैं। वे अपने बचपन की यादों से लेकर जीवन के मूल्यवान सीख तक, उनके पिता के साथ विशेष बंधन को उजागर करने वाले महत्वपूर्ण उद्धरण साझा कर रहे हैं।

सोनी सब के ध्रुव तारा में तारा की भूमिका निभाने वाली रिया शर्मा ने कहा कि सबसे अविश्वसनीय पिता को हैप्पी फादर्स डे! उनका प्यार, मार्गदर्शन और अटूट समर्थन मेरी यात्रा की नींव रहा है। अनगिनत ऑडिशन से लेकर देर तक- रात की रिहर्सल, वह मेरा सबसे बड़े चीयरलीडर और मेरे रॉक रहे हैं। मेरे सपनों पर विश्वास करने और मुझे हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ बनने के लिए प्रेरित करने के लिए धन्यवाद। उसके बिना मैं आज जहां हूं, वह नहीं होती। मैं उनसे कितना प्यार करती हूं वो मैं शब्दों में नहीं बता सकती। वह इस दुनिया में सबसे अच्छे पिता हैं।

सोनी सब के वंशज में नील की भूमिका निभाने वाले मोहित कुमार ने कहा कि पिता एक वही शख्स है, जो हमेशा हमारे साथ होते हैं, हमें साथ चलने की साथ देते हैं और हमें सही राह दिखाते हैं। मेरे पिता मेरे लिए एक सहारा हैं, जिन्होंने हमेशा मेरे सपनों का साथ दिया है। आपके बिना मेरी जिन्दगी अधूरी होती। पिता दिवस की शुभकामनाएं!

सोनी सब के पुष्पा इम्पॉसिबल में पुष्पा की भूमिका निभाने वाली करुणा पांडे ने कहा कि मेरे पिता हमेशा से मेरे लिए ताकत का स्तंभ रहे हैं। उनके समर्थन अटूट था खासकर मेरे अभिनय करियर में। जब मुझे संदेह हुआ तो उन्होंने मुझे पर विश्वास किया और उनका प्रोत्साहन ही मेरी प्रेरक शक्ति बनीं हालाँकि, मैंने उन्हें 2005 में खो दिया था जब मैं सिर्फ 24 साल का थी और वह 51 साल के थे। मैंने उन्हें कम उम्र में खो दिया था। वह मेरे डांस में काफी सपोर्ट करते थे।% उनकी आत्मा हर दिन मेरा मार्गदर्शन करती रहती है, क्योंकि मैं उन्हें सबसे अच्छा पिता मानती हूँ।

पुष्पा इम्पॉसिबल, वंशज और ध्रुव तारा देखने के लिए ट्यून इन करें, केवल सोनी सब पर हर सोमवार से शनिवार को।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई, जिला-दुर्ग, (छ.ग.)-491002
Indian Institute of Technology Bhilai, Dist.-Durg, (C.G.)-491002
Website: www.iitbhilai.ac.in

No.IITBhilai/Admin/2024-25/15

रुचि की अभिव्यक्ति

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई से संबंधित विभिन्न कानूनी मामलों को संभालने / निपटारण हेतु वकील/लॉ फर्म और कानूनी सलाहकारों से रुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) आमंत्रित है। विस्तृत जानकारी हेतु https://www.iitbhilai.ac.in/index.php?pid=ann_tenders पर देखें।

कुलसचिव
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, मौलश्री विहार, रायपुर (छ.ग.) फोन नं.-0771-2991574
Email Id: eocghbzone03@gmail.com

आम-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा **कॉलोनी खिलौरा,** रायपुर, में दीनदयाल आवास योजनांतर्गत निर्मित **भवन क्रमांक-एल.आई.जी.-93, श्री विजय साहू पिता श्री दीनदयाल साहू,** पता- दीनदयाल उपाध्याय नगर **सेक्टर-4, एम.आई.जी-131,** रवि शंकर युनिवर्सिटी रायपुर (छ.ग.), को आंबटित है, मूल आंबटी की मृत्यु दिनांक **01.05.2023** को होने के उपरांत उनकी पत्नी **श्रीमती उमा साहू पति स्व. श्री विजय साहू,** पता- दीनदयाल उपाध्याय नगर सेक्टर-4, एम.आई.जी-131, रवि शंकर युनिवर्सिटी रायुपर (छ.ग.), द्वारा आवेदन, पारिवारिक सहमति पत्र, शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत कर उक्त भवन अपने नाम से नामांतरण हेतु आवेदन किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर उक्त भवन **श्रीमती उमा साहू पति स्व. श्री विजय साहू,** पता- दीनदयाल उपाध्याय नगर सेक्टर-4, एम.आई.जी-131, रवि शंकर युनिवर्सिटी रायुपर (छ.ग.), के नाम पर मृत्यु उपरांत नामांतरण किया जाना है।

अतः किसी भी व्यक्ति, शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था को उक्त भवन / भूखण्ड के मृत्यु उपरांत **नामांतरण के संबंध में** किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन के **15 दिन** के अंदर आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा7 नियत समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जायेगी।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
प्रक्षेत्र-03, मौल श्री विहार, रायपुर छ.ग.

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, मौलश्री विहार, रायपुर (छ.ग.) फोन नं.-0771-2991574
Email Id: eocghbzone03@gmail.com

आम-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा **कॉलोनी बोरियाकला,** रायपुर, में दीनदयाल आवास योजनांतर्गत निर्मित फ्लैट **क्रमांक-एल.आई.जी.-571 ब्लॉक-36 द्वितीय तल, श्री येसाइया राम पिता स्व. श्री मसीह दास,** पता- ग्राम-बादा पो. डिपाडीह कला विकास खण्ड-शंकरगढ़ जिला-बलरामपुर (छ.ग.), को आंबटित है, मूल आंबटी की मृत्यु **दिनांक 25.03.2016** को होने के उपरांत उनके वारिसान **पुत्र/पुत्री श्री अजर दीप मिंज एवं नयन तृप्ति टोप्पो पिता स्व. श्री येसाइया राम,** पता ग्राम-बादा पो. डिपाडीह कला विकास खण्ड-शंकरगढ़ जिला-बलरामपुर (छ.ग.), द्वारा आवेदन, पारिवारिक सहमति पत्र, शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत कर उक्त फ्लैट अपने नाम से नामांतरण हेतु आवेदन किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर उक्त फ्लैट **श्री अजर दीप मिंज एवं नयन तृप्ति टोप्पो पिता स्व.श्री येसाइया राम,** पता- ग्राम-बादा पो. डिपाडीह कला विकास खण्ड-शंकरगढ़ जिला-बलरामपुर (छ.ग.), के नाम पर मृत्यु उपरांत नामांतरण किया जाना हैं।

अतः किसी भी व्यक्ति, शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था को उक्त भवन/ भूखण्ड के मृत्यु उपरांत **नामांतरण के संबंध में** किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन के **15 दिन** के अंदर आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा नियत समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जायेगी।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
प्रक्षेत्र-03, मौल श्री विहार, रायपुर छ.ग.

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./11616/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2024
रायपुर, दिनांक 14-06-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 11616
वार्ड का नाम-22-पं. ईश्वरीचरण शुक्ल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 22 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR569F0128B** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **DEVENDRA SINGH THAKUR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE MOHAR SINGH THAKUR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **होरी लाल यादव, पिता- स्व. मालिक राम यादव, कविता यादव पति- होरीलाल यादव** पिता/पति, श्री/श्रीमती .... ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री जसदेव सिंह बाबरा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./11348/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2024
रायपुर, दिनांक 14-06-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 11348
वार्ड का नाम-23-शहीद मनमोहन सिंह बक्षी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 23 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR802E00445** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SATYABHAMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती .... के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **रमेश गिरेपूंजे, भुनेश्वर गिरेपूंजे** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. जयराम गिरेपूंजे** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ ..../ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री जसदेव सिंह बाबरा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./11567/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2024
रायपुर, दिनांक 14-06-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 11567
वार्ड का नाम-23- शहीद मनमोहन सिंह बक्षी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 23 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR812D00164** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MADHUSUDAN TIWARI** पिता/पति, श्री/श्रीमती .... के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **शेल तिवारी पति स्व. मधुसुदन तिवारी, प्रकाश तिवारी, ज्योति शर्मा, किरण शर्मा** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. मधुसुदन** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ ..../ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री जसदेव सिंह बाबरा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./11614/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2024
रायपुर, दिनांक 14-06-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 11614
वार्ड का नाम-24-सरदार वल्लभ भाई पटेल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 24 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR818D00102** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **VACHANDAS** पिता/पति, श्री/श्रीमती .... के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **प्रमिला मानिकपुरी पति स्व. बचनदास मानिकपुरी, घनश्याम दास, जमुना बाई, तोरण दास** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. बचनदास मानिकपुरी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ ..../ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री जसदेव सिंह बाबरा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./11613/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2024
रायपुर, दिनांक 14-06-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 11613
वार्ड का नाम- 25 - संतराम दास वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 25 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR819A00027** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **GAINDI BAI** पिता/पति, श्री/श्रीमती .... के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **हेमिन निषाद, मीना बाई, कुमारी बाई, मालती बाई, मनटोरा उर्फ उर्मिला, बिटावन उर्फ ललिता, पिसरान स्व. चमरू निषाद, रोहित कुमार निषाद पिता भगवानी निषाद** पिता/पति, श्री/श्रीमती .... ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, परिवर्तित भूमि भू खंड की सामान्य जानकारी की छाया प्रति**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री जसदेव सिंह बाबरा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./11615/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2024
रायपुर, दिनांक 14-06-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 11615
वार्ड का नाम- 37 - तात्यापारा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 37 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR717D0020A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **ROHIT KHATWANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHYAM KHATWANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **उषा अग्रवाल पति कृष्णा कुमार अग्रवाल, प्रतिक तायल** पिता/पति, श्री/श्रीमती **कृष्णा कुमार अग्रवाल** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री जसदेव सिंह बाबरा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./12222/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2024
रायपुर दिनांक : 14-06-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 12222
वार्ड का नाम- 62 - शहीद राजीव पाण्डेय वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 62 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR654H00040** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **NETRAM GENDARE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. BHOKALURAM GENDARE** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **JANNI SAPHA** पिता/पति श्री/श्रीमती **W/O PRAHLAD SAPHA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **MALMA BIKRINAMA & SHAPATH PATR**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./12173/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2024
रायपुर दिनांक : 14-06-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 12173
वार्ड का नाम- 60 - चन्द्रशेखर आजाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 60 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR652F01203** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **MS. SHAMA CONS. SAMI AHMED S/O LATE. ABU MOHAMMAD, RAUKEYA PARVIN W/O SAMI AHMED, ASGAR ALI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MOHAMMAD PARVEJ AHMED** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SHIV KUMAR PATEL** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O DURGA CHARAN PATEL** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./12183/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2024
रायपुर दिनांक : 14-06-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 12183
वार्ड का नाम- 60 - चन्द्रशेखर आजाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 60 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR652F01280** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **SANCHIT DEWANGAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. AJAY DEWANGAN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **CHANDRASHUBHA SHRIVAS** पिता/पति श्री/श्रीमती **W/O SURESH SHRIVAS** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./12182/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2024
रायपुर दिनांक : 14-06-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 12182
वार्ड का नाम- 61 - श्यामाप्रसाद मुखर्जी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 61 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR663R01068** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **OMPRAKASH DEWANGAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **BANSHILAL DEWANGAN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **KAVITA DEWANGAN** पिता/पति श्री/श्रीमती **W/O VIJAY DEWANGAN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./12095/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2024
रायपुर दिनांक : 14-06-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 12095
वार्ड का नाम- 14- रमण मंदिर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 14 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR221A00198** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **KIRAN RUPRELA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. SUNIL RUPRELA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. श्रीमती संगीता आर. पाण्डेय पति- श्री राकेश कुमार पाण्डेय** पिता/पति, श्री/श्रीमती **2. श्री राकेश कुमार पाण्डेय (HUF) द्वारा कर्ता- राकेश कुमार पाण्डेय, पिता- स्व. श्री अवध बिहारी पाण्डेय** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./12078/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2024
रायपुर दिनांक : 14-06-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 12078
वार्ड का नाम- 14- रमण मंदिर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 14 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR221A00201** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **PRAVEENA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DALPAT RATHOD** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. श्री हेमंत राठोड़, पिता- स्व. श्री दलपत राम राठोड़** पिता/पति, श्री/श्रीमती **2. श्री तपेश राठोड़, पिता- स्व. श्री दलपत राम राठोड़** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक त्याग विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./12020/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2024
रायपुर दिनांक : 14-06-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 12020
वार्ड का नाम- 27- इंदिरा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 27 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR220H00006** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **LAXMAN DAS NEBHANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHOKIRAM NEBHANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्रीमती रेखा नेभानी** पिता/पति, श्री/श्रीमती **पति- स्व. श्री मनोज नेभानी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक त्याग विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./12096/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2024
रायपुर दिनांक : 14-06-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 12096
वार्ड का नाम- 26- दानवीर भामाशाह वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 26 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR109A00270** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **KHORBAHRIN BEVA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MADAN LAL DEWANGAN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्री नितिन यादव** पिता/पति, श्री/श्रीमती **पिता- श्री गोपाल यादव** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./11901/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2024
रायपुर, दिनांक 14-06-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 11901
वार्ड का नाम- 48 - मदर टेरेसा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड-48 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR443D00020** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **DURGA BAI** पिता/पति श्री/श्रीमती **MAN SINGH** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **ANIL RAGHWANI** पिता/पति श्री/श्रीमती **MAN SINGH RAGHWANI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, सहमति पत्र एवं मृत्यु प्रमाण पत्र**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./11902/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2024
रायपुर, दिनांक 14-06-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 11902
वार्ड का नाम- 29 - गुरू गोविंद सिंह वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड-29 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR334C00149** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MUKTESH DANI, AWADESH DHANI** पिता/पति श्री/श्रीमती **BALKRISHNA DANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **AWADESH DANI** पिता/पति श्री/श्रीमती **BALKRISHNA DANI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **कोर्ट के आदेश के आधार पर**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./11977/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2024
रायपुर, दिनांक 14-06-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 11977
वार्ड का नाम- 11 - कालीमाता वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड-11 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR330C00018** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MAHAVIR PRASAD MADAN** पिता/पति श्री/श्रीमती **MAHADEV LAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **NARESH SHERWANI** पिता/पति श्री/श्रीमती **CHANDRABHAN SHERWANI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./11979/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2024
रायपुर, दिनांक 14-06-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 11979
वार्ड का नाम- 11 - कालीमाता वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 11 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR229H00131** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MR. MANISH KHANDELWAL** पिता/पति श्री/श्रीमती **MR. P.K. KHANDELWAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. ALPESH PINJANI 2. RAJNI PINJANI** पिता/पति श्री/श्रीमती **SHRAVAN KUMAR PINJANI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./11980/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2024
रायपुर, दिनांक 14-06-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 11980
वार्ड का नाम- 11 - कालीमाता वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड-11 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR330C00473** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **VIJAY AGRAWAL** पिता/पति श्री/श्रीमती **LATE. RADHESHYAM AGRAWAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **AKSHAY JHAWAR** पिता/पति श्री/श्रीमती **DINESH KUMAR JHAWAR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./11981/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2024
रायपुर, दिनांक 08-06-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 11981
वार्ड का नाम- 30 - शंकर नगर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड-30 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR331B00027** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MEMORANI JAIN** पिता/पति श्री/श्रीमती **SUBHASH CHANDRA JAIN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **PANKAJ JAIN** पिता/पति श्री/श्रीमती **SUBHASH CHAND JAIN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत दानपत्र**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिका परिषद कुम्हारी, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

।। दावा आपत्ति सूचना ।।

क्रं. / 504 / राज.वि. / नामां. / 2024
कुम्हारी, दिनांक 14/06/2024

नगर पालिका परिषद कुम्हारी में अपने स्वयं के भवन/भूमियों को क्रय-विक्रय किया जाकर नगर पालिका अभिलेख में नाम परिवर्तन करने हेतु निम्नानुसार आवेदन प्राप्त हुआ है। उक्त प्रकरणों पर नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 150 के तहत् नामांतरण किये जाने पर यदि किसी भी व्यक्ति / संस्था / समुदाय को आपत्ति हो तो इस सूचना के समाचार पत्र में प्रकाशन होने की तिथि से 30 दिन के अन्दर लिखित में नगर पालिका कार्यालय में अपना दावा/आपत्ति आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। भवन/भूमि नामांतरण संबंधी विवरण निम्नानुसार है :-

हस्तांतरणकर्ता का नाम व पता- श्री महेन्द्र सिंह पिता श्री निरंजन सिंह, (दशमेश ढाबा), वार्ड क्रं.-11, कुम्हारी, जिला- दुर्ग (छ.ग.)।
हस्तांतरिती का नाम व पता- श्री अमरजीत सिंह पिता महेन्द्र सिंह, जसवंत सिंह पिता श्री महेन्द्र सिंह एवं चरण कौर पति श्री महेन्द्र सिंह, वार्ड क्रं.-11, कुम्हारी, जिला-दुर्ग (छ.ग.)।
भवन/भूमि का विवरण- खसरा क्रं.-719/7, रकबा 0.4050 हे., खसरा क्रं.-719/9, रकबा 0.3970 हे., वार्ड क्रं.-11, कुम्हारी, जिला- दुर्ग (छ.ग.)।
नामांतरण का आधार- मृत्यु उपरांत।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद कुम्हारी

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /12082/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2024
रायपुर, दिनांक 11-06-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 12082
वार्ड का नाम- 2 - पं. जवाहर लाल नेहरू वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 2 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR802K00394** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **PEMENDRA GIRI GOSWAMI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAJENDRA GIRI GOSWAMI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **KULWINDER KAUR SANDHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **GURBINDER SINGH SANDHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अरूण ध्रुव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwaparivar.com
vishwaparivarraipur@gmail.com

दैनिक **विश्व परिवार**

मुख्यमंत्री के निजी सचिव तुलसी कौशिक का हुआ दल्ली राजहरा आगमन

दल्लीराजहरा। मुख्यमंत्री के निजी सचिव तुलसी कौशिक का दल्ली राजहरा आगमन हुआ। वे भाजपा के युवा नेता जयदीप गुप्ता के निवास पहुचें। तुसली कौशिक के साथ में लाल निवेन्द्र सिंह टेकाम व सतीश अग्रवाल भी उपस्थिति थे । गुप्ता के निवास आगमन पर व्यापारी संघ व समाज के लोगो ने मुलाकात कर अपनी मांग रखी । चेम्बर ऑफ कामर्स के प्रदेश उपाध्यक्ष स्वाधीन जैन व आशीष लालवानी ने मांग किया कि बालोद जिले में दल्ली राजहरा सबसे बड़ा नगर है इसलिए बालोद जिले का नाम बदल कर बालोद दल्ली राजहरा जिला रखा जाये । वहीं राजहरा व्यापारी संघ द्वारा मांग की गई कि केंद्रीय विद्यालय अतिशीघ्र चालू किया जाये , 210 एकड़ भूमि का निःशुल्क पट्टा या रियायती दर प्रदान किया जाये, लघु उद्योग के लिए 20 एकड़ जमीन आबंटित किया जाये , जमीन रजिस्ट्री को सरलीकरण व निःशुल्क किया जाए, बाईपास सड़क का निर्माण अतिशीघ्र प्रारंभ किया जाये , खनिज न्यास राशि का 50त्न दल्ली राजहरा में खर्च किया जाये, 100 बिस्तर अस्पताल जल्द चालू किया जाये, बालोद जिला का नाम बदल कर बालोद दल्ली राजहरा जिला किया जाये आदि मांग को राजहरा व्यापारी संघ के पदाधिकारियों ने रखा। साहू समाज के अध्यक्ष तोरण लाल साहू ने निर्माण कार्य के लिए अनुदान मांगा है । तुलसी कौशिक व लाल निवेन्द्र सिंह टेकाम के आगमन के दौरान भाजपा नेता सुरेश जायसवाल, विशाल मोटवानी, प्रदेश मीडिया प्रभारी भाजपा स्वाधीन जैन,सोमेश साहू, मनोज दुबे, पत्रकार शेखर गुप्ता,अजयं अग्रवाल,राजेश पटेल, आशीष लालवानी, विजय भान सिंह, हितेश कुमार , आलोक जैन, संदीप गोगड़, महावीर चोपड़ा, अमित जायसवाल,निखिल शर्मा, अर्जुन, पुनीत, अभिजीत श्रीवास्तव आदि उपस्थित थे ।

राज्य स्तरीय खेल पुरस्कार के लिए 30 जून तक आवेदन आमंत्रित

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ शासन, खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा प्रतिवर्ष खिलाड़ियों/ प्राक्षिकों/निर्णायको को खेल पुरस्कार प्रदान कर राज्य खेल अलंकरण से सम्मानित किया जाता है। खेल व युवा युवा कल्याण विभाग ने खेल पुरस्कार के लिए आवेदन 30 जून तक आवेदन मंगाए गए हैं। यह पुरस्कार राज्य के लिए उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों/ प्रशिक्षकों/ निर्णायकों को प्रदान किये जाते हैं। राज्य खेल अलंकरण के अंतर्गत सीनियर वर्ग के ऐसे खिलाड़ियों को शहीद राजीव पाण्डेय पुरस्कार से अलंकृत किया जाता है, जिनके द्वारा राष्ट्रीय चैम्पियनशिप या राष्ट्रीय खेलों में कोई पदक प्राप्त किया गया है या अधिकृत अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में देश का प्रतिनिधित्व किया गया है। इसी प्रकार जूनियर वर्ग के उन खिलाड़ियों को शहीद कौशल यादव पुरस्कार से अलंकृत किया जाता है जिनके द्वारा जूनियर वर्ग के राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में कोई पदक प्राप्त किया गया हो।

गोंडवाना समाज का इतिहास अत्यंत प्राचीन एवं वैभवशाली : केदार कश्यप

दल्लीराजहरा। प्रदेश के वन, जलवायु परिवर्तन एंव जल संसाधन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि गोंडवाना समाज का इतिहास अत्यंत प्राचीन एवं वैभवशाली है। कश्यप 12 जून को डौण्डी विकासखण्ड के सुदुर वनांचल के ग्राम बेलोदा में ब्लॉक गोंडवाना समाज द्वारा 11 एवं 12 जून को आयोजित दो दिवसीय गोंडवाना युवा महोत्सव एवं सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। वे कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता गोंडवाना समाज के ब्लॉक अध्यक्ष आत्माराम कौर ने किया। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष विकास उपाध्याय, पूर्व विधायक ब्रम्हानंद नेताम, नगर पंचायत डौण्डी के अध्यक्ष सोमेश सोरी, मोहन हिड़को, तुलसीराम मरकाम, गंगाराम दर्रो, श्रीमती अनिता कुमेटी एवं अन्य सामाजिक प्रमुखों के अलावा कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल, पुलिस अधीक्षक सुरजन राम भगत एवं अन्य अतिथिगण उपस्थित थे। आदिवासी समाज के रगों में शहीद वीरनारायण सिंह, शहीद गैंद सिंह नायक जैसे महान देशभक्तों एवं अमर शहीदों का रक्त प्रवाहित हो रहा है। कश्यप ने कहा कि आदिवासी समाज के महान क्रान्तिकारियों एवं देशभक्तों ने आजादी की लड़ाई में बहुमूल्य भूमिका अदा करते हुए अपना सर्वस्व न्यौछावर किया है। उन्होंने कहा कि हमारा विरासत एवं इतिहास अत्यंत गौरवशाली है, जो आज भी देशभक्ति एवं जलकल्याण के पुनीत कार्य के लिए हमें प्रेरित कर रहा है। इस अवसर में मंत्री कश्यप ने ग्राम बेलोदा में गोंडवाना भवन के निर्माण हेतु 25 लाख रूपये एवं डौण्डी विकासखण्ड को बस्तर विकास प्राधिकरण में जोड़ने की घोषणा भी की। इसके अलावा उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से चर्चा कर ग्राम बेलोदा में अंग्रेजी माध्यम स्कूल एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र खोलने तथा ग्राम बेलोदा में सड़क निर्माण हेतु आवश्यक कार्यवाही करने का आश्वासन भी दिया। इस अवसर पर मंत्री कश्यप ने सुदुर वनांचल के ग्राम बेलोदा में गोंडवाना युवा महोत्सव एवं सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक कार्यशाला के आयोजन की सराहना भी की। उन्होंने कहा कि उसके माध्यम से हमारे नवयुवकों को समाज की रीति-नीति तथा संवैधानिक अधिकार एवं सामाजिक क्रियाकलाप आदि की जानकारी मिलती है। उन्होंने नवयुवकों को अपने ऊर्जा का उपयोग समाज हित एवं जनकल्याण कार्य में करते हुए जीवन में विशिष्ट उपलब्धि करने को कहा। इस अवसर पर कश्यप ने छत्तीसगढ़ सरकार के द्वारा राज्य के बागडोर सम्हालने के बाद आदिवासी समाज सहित समाज के सभी वर्गों के चहंमुखी विकास हेतु किये जा रहे कार्यों के संबंध में भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हम सभी के लिए अत्यंत गौरव का विषय है कि आज राज्य के मुखिया के पद पर हमारे आदिवासी समाज का व्यक्ति विराजमान है। इसके अलावा देश के राष्ट्रपति जैसे सर्वोच्च पद पर भी हमारे समाज का व्यक्ति पदासीन है। कश्यप ने कहा कि राज्य व केन्द्र सरकार आदिवासी तथा सम्पूर्ण वर्ग के कल्याण के लिए कृतसंकल्पित है। कश्यप ने कहा कि हमारे नवयुवकों में विकास के असीम संभावनाएँ है, बस आवश्यकता है उन्हें सही मार्गदर्शन एवं दिशाबोध प्रदान करने का। इस अवसर पर मंत्री कश्यप ने समाज के युवा-युवतियों की उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी। कार्यक्रम स्थल पर पहुचने के पूर्व मंत्री कश्यप ने ग्राम बेलोदा में स्थित माँ दंतेश्वरी मंदिर में पूजा-अर्चना कर गोंडवाना समाज एवं छत्तीसगढ़ राज्य की सुख-समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए गोंडवाना समाज के ब्लॉक अध्यक्ष आत्माराम कौर ने कार्यक्रम के उद्देश्य के संबंध में विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष विकास मरकाम ने आदिवासी समाज के इतिहास एवं गौरवशाली विरासत के संबंध में रोचक एवं प्रेरणास्पद जानकारी दी। पूर्व विधायक ब्रम्हानंद नेताम ने समाज के नवयुवकों को देश व समाज के भावी भविष्य बताते हुए कड़ी मेहनत कर अपने माता-पिता, देश व समाज का नाम रौशन करने को कहा। इस अवसर पर समाज के द्वारा अतिथियों को प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम में गोंडवाना समाज के युवा-युवतियों के द्वारा गोंडवाना संस्कृति पर आधारित सांस्कृति कार्यक्रमों की भी प्रस्तुति दी गई।

फादरहुड का जश्न: कलर्स चैनल के सितारों ने अपने पिता के साथ अपने सबसे पवित्र रिश्ते को याद करते हुए अपने दिल की बात कही

रायपुर। कलर्स के 'मेरा बलम थानेदार' में बुलबुल का किरदार निभा रहीं श्रुति चौधरी कहती हैं, मेरे पिता ने मेरी पूरी ज़िंदगी मेरा निरंतर साथ दिया है और मुझे अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रोत्साहित किया है। मुझे हमारी रविवार की सुबहें बहुत अच्छे से याद हैं, जब वे मेरी बहन और मेरे लिए अलग-अलग तरह का नाश्ता बनाते थे, जिससे हर रविवार बहुत खास हो जाता था। हमारे बीच का रिश्ता बेहद मजबूत है। इस फादर्स डे पर, सेट पर होने के कारण मुझे अपने पिता की बहुत याद आएगी। हालांकि, मैं भाग्यशाली हूं कि मेरे ऑनस्क्रीन ससुर राजेंद्र चावला (जो वर्धन सिंह का किरदार निभा रहे हैं) मेरे साथ होंगे, हमेशा मुझे प्यार करते हैं और अपनी बेटी की तरह मुझे लाड़ करते हैं। मुझे बहुत खुशी है कि इस शो के ज़रिए मुझे दो पिता मिले हैं, जिन्हें मुझ पर गर्व है। मैं सभी पिताओं को कहना चाहूंगी - आपका प्यार और मार्गदर्शन हमारी दुनिया को आकार देता है। हैप्पी फादर्स डे! कलर्स के 'लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट' के सेलेब्रिटी प्रतियोगियों में से एक करण कुंद्रा कहते हैं, मेरे पिता मेरे लिए बेस्ट फ्रेंड की तरह हैं, जिन्होंने हमेशा मेरा साथ दिया है। आज मेरे पास जो कुछ भी है, वह सब उन्हीं की बदौलत है। जब मुझे यह भी नहीं पता था कि आगे क्या करना है, उन दिनों से लेकर आज मैं जिस मुकाम पर हूं,इस समय तक वे हमेशा मेरे साथ रहे हैं, मेरा मार्गदर्शन करते रहे हैं। यह मेरे पिता ही थे जिन्होंने मुझे अपनी कद्र करना सिखाया। अच्छे-बुरे समय में, मेरे सभी उतार-चढ़ावों से निपटने में उन्होंने मेरी मदद की।

एसएस इनोवेशन ने एसएसआई मंत्रा 3 रोबोटिक सिस्टम का अनावरण किया

रायपुर। भारत की पहली स्वदेशी सर्जिकल रोबोटिक प्रणाली- एसएसआई मंत्रा के विकासकर्ता एसएस इनोवेशन, जो उन्नत रोबोटिक सर्जरी को लागत प्रभावी और वैश्विक आबादी के लिए सुलभ बनाने के लिए समर्पित है, एसएसआई मंत्रा 3 लॉन्च किया, जो मंत्रा सर्जिकल रोबोट प्रणाली की अगली पीढ़ी का सबसे उन्नत संस्करण है। इसके साथ ही, इसने टेलीसर्जरी में राष्ट्र का पहला मानव परीक्षण पूरा करके भारतीय चिकित्सा विज्ञान में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है, जो सर्जिकल रोबोटिक्स में एक बड़ी छलांग है। एसएसआई मंत्रा 3 का लॉन्च किफायती कीमतों पर अत्याधुनिक तकनीक प्रदान करके स्वास्थ्य सेवा में क्रांति लाने के लिए एसएस इनोवेशन की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। एसएसआई मंत्रा 3 का शुभारंभ किफायती कीमतों पर अत्याधुनिक तकनीक प्रदान करके स्वास्थ्य सेवा में क्रांति लाने के लिए एसएस इनोवेशन की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। एक उल्लेखनीय कदम आगे बढ़ाते हुए, डॉ. फ्रेडरिक मोल, जिन्हें व्यापक रूप से सर्जिकल रोबोटिक्स के जनक के रूप में जाना जाता है, और इंट्यूटिव सर्जिकल के दूरदर्शी संस्थापक, एसएस इनोवेशन इंटरनेशनल इंक में बोर्ड के सदस्य और उपाध्यक्ष के रूप में शामिल हुए हैं। एसएस इनोवेशन के संस्थापक, अध्यक्ष और सीईओ, डॉ. सुधीर श्रीवास्तव, रोबोटिक कार्डियक सर्जरी के अग्रणी और एसएसआई मंत्रा सिस्टम के पीछे के दिमाग, जिन्हें भारत में सर्जिकल रोबोटिक्स के पिता के रूप में जाना जाता है। इस उपलब्धि पर टिप्पणी करते हुए, सर्जिकल रोबोटिक्स के जनक और इंट्यूटिव सर्जिकल के संस्थापक डॉ. फ्रेडरिक मोल ने कहा: मैं डॉ. श्रीवास्तव और एसएसआई की पूरी टीम को एसएसआई मंत्रा 3 के सफल लॉन्च पर अपनी हार्दिक बधाई देना चाहता हूँ। पाँच महीने से भी कम समय में यह उपलब्धि हासिल करना वाकई सराहनीय है। डॉ. श्रीवास्तव और पूरी एसएसआई टीम को बधाई देते हुए, इसरो सैटेलाइट सेंटर के पूर्व निदेशक और एसएसआईआई के बोर्ड ऑफडायरेक्टर डॉ. माइलस्वामी अन्नादुरी ने कहा: एसएसआई मंत्रा 3 का लॉन्च भारत के भविष्य का प्रतीक है।

कोसमंदा के भाजपा कार्यकर्ता बिजली की समस्या को लेकर विद्युत विभाग कार्यपालन अभियंता को सौंपा ज्ञापन, दिया चक्काजाम करने चेतावनी

जांजगीर चांपा। जांजगीर चांपा जिले के ग्राम कोसमंदा विकासखंड बलौदा का दूसरा बड़ा पंचायत है जहा की जनसंख्या लगभग 15 हजार है,और नगर पंचायत बनने की प्रक्रियाधीन है, जहा के निवासी पिछले पांच साल से विद्युत की विकराल समस्या से जूझ रहे है ग्रामीणों की इस समस्या को ध्यान में रखकर पूर्व विधायक डॉ खिलावन साहू ने अपने कार्यकाल में कोटाडाबरी विद्युत सबस्टेशन से चालू करवाया था जो लगातार पांच साल तक ठीक चला उसके बाद एक उद्योगपति को उद्योग चलाने के कोसमंदा की आपूर्ति बंद कर दिया और फिर से यथावत सारागांव सबस्टेशन जोड़ दिया जहा हवा की हल्का झोंका आया लाईट बंद कर दिया जाता है और ये समस्या कोई नई नही है लाइन खराब होने पर स्वयं ग्रामवासी आधी रात को विद्युत कर्मी के सहायता के लिए पेट्रोलिंग पर जाते है एक दिन तो भाजपा नेता हरीश राठौर को लाइन पेट्रोलिंग दौरान एक बिच्छू ने काट लिया इस तरह से ग्रामवासी अपनी जान जोखिम में डालकर फाल्ट खोजते हैं जनप्रतिनिधियों ने ग्राम की समस्या को अवगत कराया पर आला विद्युत विभाग के अधिकारी केवल देखवा लेता हूं यही जवाब पिछले पांच साल से अधिकारी बोल रहे है जनप्रतिधियो के फोन काल कोई रिस्पांस नहीं मिला अंततः अब ग्रामवासी और भाजपा कार्यकर्ता एक जुट हो कर विद्युत विभाग और सब डिस्ट्रिक्ट में अल्टीमेटम दिया गया है की 17 जून तक कोसमंदा की बिजली कोटाडाबरी से बहाल नहीं किया तो 18 जून को कोसमंदा एनएच मुख्य मार्ग पर चक्का जाम करने की चेतावनी दिया गया है,अब देखना होगा कि बिजली आपूर्ति कोटाडाबरी से बहाल करते है या ग्रामवासी को विद्युत विभाग चक्का जाम की मौन सहमति देती है।

16 जून से 15 अगस्त तक मत्स्याखेट पूर्णतः प्रतिबंध

नियमों का उल्लंघन करने पर एक वर्ष का कारावास और देना होगा दस हजार रुपए का जुर्माना

बेमेतरा। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी रणबीर शर्मा ने वर्षा ऋतु में 16 जून से 15 अगस्त तक मत्स्याखेट, विपणन एवं परिवहन पर प्रतिबंध लगाने के आदेश जारी किए हैं । विगत वर्ष की भांति वर्ष 2024-25 में भी 16 जून से 15 अगस्त 2024 तक मत्स्याखेट प्रतिबंध रहेगा। वर्षा ऋतु में मछलियों की वंश वृद्धि (प्रजनन) को दृष्टिगत रखते हुये उन्हें संरक्षण देने हेतु राज्य में उन सभी तालाबों एवं जल स्त्रोतों में जिनका संबंध नदी नालों से नहीं है उसके अतिरिक्त जलाशयों में किये जा रहे केज कल्चर को छोड़कर सभी प्रकार के जल संसाधनों में मत्स्याखेट कार्य पूर्णतः निषिद्ध रहेगा । जारी आदेश में कहा गया है की वर्षा ऋतु में मछलियों के वंश वृद्धि (प्रजनन) को दृष्टिगत रखते हुए उन्हें संरक्षण देने हेतु राज्य में छत्तीसगढ़ नदीय मत्स्योद्योग अधिनियम 1912 की धारा-3, उपधारा-2, (दो) के तहत 16 जून से 15 अगस्त तक की अवधि को 'बंद आऋतु (क्लोज सीजन) के रूप में घोषित किया गया है, अतः जिले के समस्त नदियों-नालों तथा छोटी नदियों, सहायक नदियों में जिन पर सिंचाई के तालाब / जलाशय (बड़े या छोटे) जो निर्मित किये गये हैं, में किये जा रहे केज कल्चर के अतिरिक्त सभी प्रकार का मत्स्याखेट 16 जून 2024 से 15 अगस्त 2024, तक पूर्णतः निषिद्ध रहेगा। इन नियमों का उल्लंघन करने पर छत्तीसगढ़ राज्य मत्स्य क्षेत्र (संशोधित) अधिनियम के नियम-3 (5) क अंतर्गत अपराध सिद्ध होने पर एक वर्ष का कारावास अथवा 10000/- रू का जुर्माना अथवा दोनों एक साथ होने का प्रावधान है। उक्त नियम केवल छोटे तालाब या अन्य जल स्त्रोत जिनका संबंध किसी नदी नाले से नहीं है, में लागू नहीं होंगे।

भारत में अनुसंधान के व्यावसायीकरण को बढ़ावा देने के लिए वाधवानी फाउंडेशन AICTE और अन्य शीर्ष संस्थानों ने किया समझौता

नई दिल्ली। एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, वाधवानी फाउंडेशन ने शैक्षणिक इनोवेशन के व्यावसायीकरण में तेजी लाने के लिए वाधवानी इनोवेशन नेटवर्क उत्कृष्टता केंद्र (WIN-COEs) स्थापित करने के लिए एआईसीटीई, आईआईटी बॉम्बे, आईआईटी दिल्ली, आईआईटी कानपुर, आईआईटी हैदराबाद, आईआईएससी बैंगलोर और सी-कैम्प के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस साझेदारी का उद्देश्य भारतीय फैकल्टी, छात्रों और शोधकर्ताओं द्वारा किए जाने वाले शैक्षणिक और प्रयोगशाला अनुसंधान को वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों में बदलना है, जिन्हें विभिन्न उद्योगों में बेचा, इस्तेमाल या क्रियान्वित किया जा सके, जिससे दीर्घकालिक आर्थिक मूल्य का सृजन हो और समाज को लाभ पहुंचे। वर्तमान में, भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों में से एक प्रतिशत से भी कम शोध में लगे हुए हैं। शोध और प्रायोगिक विकास (GERD) में भारत के सकल खर्च में इनकी हिस्सेदारी केवल 9 प्रतिशत है। इसके परिणामस्वरूप, भारतीय विश्वविद्यालय बाजार-संचालित इन्नोवेशन आउटपुट में पीछे हैं। WIN-COEs का उद्देश्य घरेलू अनुसंधान और खोजों में तेजी लाना है।

कार्यालय जिला आयुर्वेद अधिकारी, बालोद (छ.ग.)

क्रमांक/स्टोर/2024/1850-53 बालोद, दिनांक 11.06.2024

पेंशनर रोगियों के औषधि प्रदाय हेतु निविदा आमंत्रण सूचना

वित्तीय वर्ष 2024-25 में शासकीय आयुर्वेद चिकित्सालय चिखलाकसा दल्लीराजहरा जिला बालोद छ.ग. हेतु पेंशनर रोगियों के लिए आयुर्वेद (शास्त्रोक्त एवं पेटेण्ट) औषधियाँ प्रदाय करने हेतु निविदा दाताओं से मोहरबंद निविदायें आमंत्रित की जाती है. निविदा प्रपत्र कार्यालय जिला आयुर्वेद अधिकारी, जिला बालोद छ.ग. से कार्य दिवस में प्रातः 11.00 बजे से दोपहर 03.00 बजे तक 500/- (रुपये पांच सौ मात्र) का चालन हेड (0210- चिकित्सा शिक्षा, 03- चिकित्सा शिक्षा प्रशिक्षण व अनुसंधान, 101- आयुर्वेद, 0753- विविध प्राप्तियां) में जमा कर प्राप्त किये जा सकते हैं.

अन्य नियम एवं शर्ते कार्यालयीन समय में कार्यालय जिला आयुर्वेद अधिकारी बालोद छ.ग. से निविदा फार्म के साथ प्राप्त किया जा सकता है.

नोटः- जिले के स्थानीय औषधि विक्रेताओं को प्राथमिकता दी जायेगी.

निविदा बिक्री की अंतिम तिथि	- 26.06.2024 दोपहर 03.00 बजे तक
निविदा जमा करने की अंतिम तिथि	- 05.07.2024 दोपहर 02.00 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि	- 05.07.2024 दोपहर 03.00 बजे

(डॉ. ज्योति गजभिये)
जिला आयुर्वेद अधिकारी
बालोद (छ.ग.)

G-242500280/2

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत 02 दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला संपन्न

बिहान में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारी हुए सम्मानित

- **सीईओ यादव ने जिले में आजीविका गतिविधि को बढ़ाने के दिये निर्देश**

गरियाबंद। कलेक्टर दीपक कुमार अग्रवाल के निर्देश पर तथा जिला पंचायत सीईओ रीता यादव की उपस्थिति में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन "बिहान" अंतर्गत जिला पंचायत सभाकक्ष में 02 दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें जिले के समस्त विकासखण्डों के लिए वित्तीय वर्ष 2024-25 की कार्ययोजना पर समय-सीमा में लक्ष्य अनुसार प्रगति सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक रणनीति पर 10 एवं 11 जून को सामाजिक समावेशन एवं संस्थागत निर्माण अंतर्गत समूह लक्ष्य के विरूद्ध प्रगति एवं सैचुरेशन, लाकोस के माध्यम से ऑनलाईन समूह की एंट्री पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। साथ ही गावं की गरीब महिलाओं एवं उनके स्व-सहायता समूहों को बैंकिंग सुविधाओं तक पहुँच बनाने के लिए वित्तीय समावेशन के तहत सहायता उपलब्ध कराने हेतु आरएफ, सीआईएफ प्रदाय एवं बैंक लिंकेज के बारे में बताया गया। स्व-सहायता समूहों को वित्तीय रूप से साक्षर बनाने के लिए समूह की सक्रिय महिलाओं में से बीमा सखी, वित्तीय साक्षरता-सीआरपी, बैंक सखी आदि सामुदायिक संवर्ग के माध्यम से बीमा को बढ़ावा देने, आजीविका गतिविधि को बढावा देने एवं लोकोस के माध्यम से आनलाईन समूह की प्रविष्टि में प्रगति लाने के निर्देश दिये गये। इसी कड़ी में कार्यशाला के दूसरे दिन जिले में आजीविका गतिविधियों को बढ़ाने के निर्देश दिये गये। जिसमें बिहान ढाबा, बिहान चौपाटी, अन्य सफल आजीविका गतिविधियों को बड़े पैमाने पर किया जाये।

जिलें में अधिक से अधिक महिलाओं को लखपति दीदी बनाने के लक्ष्य के लिए कार्य योजना बनाकर समय सीमा मे पूर्ण करने को कहा गया। साथ ही जिले मे कार्य कर रहे पीजी समूह, एफपीओ, लखपति पहल पर कार्ययोजना तैयार की गई। इस दौरान कार्यशाला में रायपुर से आये टीम भी सम्मिलित हुए।

जिनके माध्यम से आजीविका संबंधी आगामी कार्ययोजना व पीवीटीजी परिवार को लाभान्वित करने के संबंध में जानकारी दी गई। उन्मुखीकरण कार्यशाला में विकासखण्ड टीम द्वारा पीपीटी के माध्यम से प्रगति, आगामी कार्ययोजना पर प्रस्तुतीकरण दिया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ रीता यादव ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी, कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र, मोमेण्टो से सम्मानित किया। कार्यशाला में जिला मिशन प्रबंधन इकाई एवं विकासखण्ड मिशन प्रबंधन इकाई के समस्त अधिकारी-कर्मचारीगण उपस्थित थे।

कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी जिला गरियाबंद (छ.ग.)

// निविदा सूचना //

क्रमांक / CSMCL / 2024/2129 गरियाबंद, दिनांक 13/06/2024

गरियाबंद जिले में स्थित 06 देशी, 02 कम्पोजिट एवं 07 विदेशी मदिरा दुकानों में वित्तीय वर्ष 2024-25 अर्थात 01.04.2024 से 31.03.2025 की अवधि में संग्रहित खाली कार्टन (पुटठा) का विक्रय किया जाना है। खाली कार्टून का प्रति किलो ग्राम की दर से इच्छुक निविदाकारों से सीलबंद निविदाएं (तकनीकी बिड/प्राईज बिड पृथक-पृथक) दिनांक 24.06.2024 अपरान्ह 2:00 बजे तक कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी सह जिला प्रबंधक, छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कार्पोरेशन लिमिटेड जिला गरियाबंद में आमंत्रित की जाती है। सीलबंद प्राप्त निविदाएं उपस्थित निविदाकारों के समक्ष दिनांक 24.06.2024 को अपरान्ह 04:00 बजे निविदा समीति द्वारा खोली जावेगी। निविदा की शर्ते / नियम, निविदा प्रपत्र तथा मदिरा दुकानों की अवस्थिति आदि की विस्तृत जानकारी अवकाश के दिवसों को छोडकर निविदा प्रस्तुत करने के निर्धारित अंतिम तिथि के एक दिवस पूर्व तक कार्यालयीन समय पर खाली कार्टून निविदा फार्म 1000/- की दर से कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी सह जिला प्रबंधक, छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कार्पोरेशन लिमिटेड, कार्यालय संयुक्त कलेक्टोरेट परिसर (जिला आबकारी अधिकारी गरियाबंद कक्ष कमांक 81) से प्राप्त की जा सकती है।

सहायक आयुक्त आबकारी
सह जिला प्रबंधक CSMCL
जिला-गरियाबंद (छ.ग.)

जी-242500323/2

संपादकीय

उच्चशिक्षा में वाजिब ऊंचाई का इंतजार...

हरिवंश चतुर्वेदी

दुनिया भर के उच्च शिक्षण संस्थानों की रैंकिंग बताने वाली कुकक्रेरेली साइमंड्स (क्यूएस) संस्था ने साल 2025 की अपनी रैंकिंग जारी की है, जिससे भारतीय विश्वविद्यालयों की संवर रही तस्वीर की कुछ झलक दिखती है। पूर्व की तरह इस वर्ष भी रैंकिंग में शीर्ष पर मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) काबिज है, जबकि चार अन्य स्थान क्रमश: इम्पीरियल कॉलेज, ऑक्सफोर्ड, हार्वर्ड और कैंब्रिज यूनिवर्सिटी के नाम हैं। मगर भारतीय शिक्षण संस्थानों ने भी अपनी रैंकिंग ठीक-ठाक सुधारी है। जैसे, आईआईटी, बॉम्बे को इस बार 118वां स्थान मिला है, जबकि पिछली रैंकिंग में वह 149वें पायदान पर थी। आईआईटी, दिल्ली भी पिछली बार के 197वें स्थान से 150वें पायदान पर पहुंच गई है। इस वर्ष रैंकिंग में शामिल हमारे शीर्ष दस संस्थानों में सबसे अधिक आईआईटी (सात) हैं, जबकि शेष तीन संस्थानों में आईआईएस (211वीं रैंकिंग), दिल्ली यूनिवर्सिटी (328) और अन्नामलाई यूनिवर्सिटी (323) शामिल हैं। सवाल है कि क्यूएस ही नहीं, अन्य दो प्रतिष्ठित रैंकिंग-एसजेटीयू व टाइम्स हायर एजुकेशन रैंकिंग में सिर्फ आईआईटी, डीयू-जेएनयू-जामिया मिल्लिया-बीएचयू जैसे केंद्रीय विश्वविद्यालय और कुछ निजी विश्वविद्यालय ही क्यों शुमार होते हैं? बाकी शिक्षण संस्थान मानकों पर क्यों खरे नहीं उतर पाते? इसकी एक वजह तो इन रैंकिंग की रूपरेखा है, जो काफी हद तक पश्चिमी विश्वविद्यालयों के अनुकूल होती है। इनमें कैंपस में विविधता, छात्रों को मिलने वाले रोजगार के अवसर, शोध-कार्य, बुनियादी ढांचा, ब्रांड-वैल्यू आदि तमाम कसौटियों पर संस्थानों को परखा जाता है। ऐसे में, उन भारतीय संस्थानों को इसमें परोक्ष लाभ मिलता है, जो आजादी के पहले या स्वतंत्रता के तुरंत बाद खोले गए, क्योंकि उनको लगातार धनराशि मिलती रहती है। वे इसका जो हिस्सा खर्च नहीं कर पाते, वह धन 'सरप्लस' के रूप में उनके पास जमा रह जाता है और इन पर मिलने वाला ब्याज आदि उनके लिए 'अक्षय निधि' बन जाता है। चूंकि ये पुराने संस्थान हैं, इसलिए इनका यह फंड भी करोड़ों रुपये में हो गया है, जिसका इस्तेमाल ये अपने हित में करते रहते हैं। यह सुविधा अन्य संस्थानों को हासिल नहीं है। बेशक, तमाम संस्थानों में ट्यूशन फीस ली जाती है, पर यह उनकी कुल आमदनी का बमुश्किल 10 से 20 फीसदी हिस्सा होती है। आमदनी के अन्य स्रोतों का अधिकतम इस्तेमाल शिक्षकों-कर्मचारियों के वेतन-पेंशन आदि में किया जाता है। फिर, उच्च शिक्षा वित्तीयन एजेंसी (हेफा) से जो ब्याज रहित या नाममात्र ब्याज पर कर्ज मिलता है, वह अमूमन केंद्रीय विश्वविद्यालयों या अच्छे संस्थानों के ही खाते में जाता है। इससे स्वाभाविक ही राज्य-स्तरीय विश्वविद्यालयों की स्थिति दयनीय हो जाती है। फिर, राज्यों की आमदनी अलग-अलग है और उनका प्रबंधन भी। आलम यह है कि अब भी हमारे देश में कुल जीडीपी का बमुश्किल तीन फीसदी हिस्सा ही शिक्षा पर खर्च किया जाता है, जबकि 1968 की पहली शिक्षा नीति में इसे छह प्रतिशत करने की वकालत की गई थी। जब राज्य सरकारों के पास पैसे होंगे ही नहीं, तो वे छह फीसदी कैसे खर्च करेंगी? यहां यह नहीं समझा जाना चाहिए कि उच्च शिक्षा में महंगी फीस की वकालत की जा रही है। कम फीस के कारण ही देश में कई ऐसे छात्र उच्च शिक्षा हासिल कर पाते हैं, जिनकी आर्थिक हैसियत निजी विश्वविद्यालयों में पढ़ने की नहीं होती। मगर सच यह भी है कि राज्य के शिक्षण संस्थानों में शोध-कार्यों के लिए पर्याप्त साधन नहीं हैं, पुस्तकालयों में प्रचुर मात्रा में किताबें नहीं हैं और प्रयोगशालाओं में उचित उपकरण नहीं हैं। इस सूरतेहाल में गुणवत्तापूर्ण पढ़ाई होगी कैसे? इसका एक उपाय यह हो सकता है कि जो छात्र विपन्न हों, उनसे पूर्ववत फीस ली जाए, पर जो महंगी फीस का भार उठाने में सक्षम हैं, उनसे कुछ अधिक फीस वसूली जाए। हमें यह भी समझना होगा कि अच्छी उच्च शिक्षा के लाभार्थी सिर्फ विद्यार्थी नहीं होते, बल्कि वे संस्थाएं भी होती हैं, जो बच्चों की शिक्षा या कौशल का इस्तेमाल करती हैं। इन कंपनियों से शिक्षण संस्थानों में निवेश करवाया जा सकता है। अगर कंपनियां सीधे निवेश नहीं कर सकतीं, तो कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) में यह प्रावधान बनाया जा सकता है कि अगर वे अपने सीएसआर मद का तय हिस्सा किसी शिक्षण संस्थान में खर्च करेंगी, तो उनको इन्सेंटिव या टैक्स में छूट मिलेगी। जाने-माने कारोबारी नौशाद फोर्ब्स ने अपनी किताब द स्ट्रगल ऐंड द प्रॉमिस में लिखा है कि हम शोध-अनुसंधान पर जितना खर्च करते हैं, उसका 80 से 90 फीसदी हिस्सा देश के 47 सरकारी प्रयोगशालाओं को चला जाता है। हम इस पैसे को सालाना पांच फीसदी की दर से यदि कम करते जाएं और ये पैसे सरकारी शिक्षण संस्थानों को मुहैया कराएं, तो वहां शिक्षा और शोध-कार्य, दोनों सुधर जाएंगे, उनकी रैंकिंग में बेहतर हो जाएगी। इसी तरह, एक सुझाव यह भी हो सकता है कि जो संस्थान अपनी वैश्विक रैंकिंग सुधारते हैं, उनको इन्सेंटिव दिए जाएं। इस इन्सेंटिव का इस्तेमाल शिक्षकों-कर्मचारियों की बेहतरी पर किया जा सकता है, क्योंकि राज्यस्तरीय विश्वविद्यालयों के करीब 99 फीसदी अध्यापकों के पास आज भी लैपटॉप जैसे आधुनिक उपकरण नहीं हैं। अगर हम अमेरिका, ब्रिटेन जैसे देशों से मुकाबला करना चाहते हैं, तो हमें अपने शिक्षकों-कर्मचारियों की गुणवत्ता सुधारनी ही होगी। यहां हम चाहें, तो चीन से भी सबक ले सकते हैं। उसने पिछले कुछ दशकों में अपने उन नागरिकों को वापस बुलाया है, जो पढ़ने के लिए विदेश गए और वहीं के होकर रह गए। अध्यापन कर्म में लगे ऐसे चीनी नागरिकों को स्वदेश में वे तमाम सुविधाएं दी गईं, जो उन्हें विदेश में मिल रही थीं। इसका फायदा चीन की शिक्षा-व्यवस्था में दिखा है। हमारे देश में भी आईआईटी, आईआईएम या कुछ केंद्रीय व निजी विश्वविद्यालयों के छात्र उच्च शिक्षा हासिल करने विदेश जाते हैं ।और वहीं कॉलेजों में अपना भविष्य देखते हैं। उनको स्वदेश बुलाना चाहिए और उनकी प्रतिभा का सही इस्तेमाल करना चाहिए। हालांकि, मुश्किल यह भी है कि देश के कई संस्थानों में भाई-भतीजावाद इस कदर हावी है कि वहां कुलपति तक की नियुक्ति शायद ही प्रतिभा के आधार पर होती है। हमें ऐसे संस्थानों को भी चिह्नित करके वहां पारदर्शी व्यवस्था बनानी होगी, तभी वे अन्य वैश्विक संस्थानों के साथ कदमताल कर सकेंगे।

गहराता जा रहा है संदेह

ऐसा पहली बार हुआ कि नीट-यूजी परीक्षा में बैठे 67 छात्रों ने पूरे अंक पा कर पहली रैंक हासिल की। ऑल इंडिया स्तर पर प्रथम रैंक अब तक एक या दो छात्रों को ही मिलती रही है। इसलिए संदेह गहरा गया है। यह संदेह गहराता जा रहा है कि प्रतियोगी परीक्षाएं धांधली का जरिया बन गई हैं और यह सब कुछ प्रशासन के संरक्षण में हो रहा है। अनेक राज्यों में पेपर लीक की बढ़ती घटनाओं से यह शक बनना शुरू हुआ। अब देश के टॉप मेडिकल कॉलेजों में दाखिले के लिए आयोजित नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (नीट-यूजी) को लेकर खड़े हुए विवाद से यह और गहरा गया है। परीक्षा आयोजित कराने वाली राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) सवालों के घेरे में है। शक को इससे भी बल मिला कि जिस रोज लोकसभा चुनाव की मतगणना में सारे देश का ध्यान था, एनटीए ने उसी रोज इम्तहान के नतीजों को जारी करने का फैसला किया। ऐसा पहली बार हुआ कि इस परीक्षा में बैठे 67 छात्रों ने पूरे अंक पा कर पहली रैंक हासिल की। ऑल इंडिया स्तर पर प्रथम रैंक अब तक एक या दो छात्रों को ही मिलती रही है। एनटीए ने सफाई दी है कि आसान परीक्षा, रजिस्ट्रेशन में बढ़ोतरी, दो सही उत्तरों वाला एक प्रश्न और परीक्षा के समय में नुकसान की भरपाई के लिए ग्रेस मार्क्स दिया जाना ऐसे कारण हैं, जिनसे छात्रों को उच्च अंक लाने में सहायता मिली। मगर परीक्षा में शामिल हुए छात्रों के एक बड़े हिस्से को यह स्पष्टीकरण मंजूर नहीं है। वे परीक्षा रद्द कर इसे दोबारा कराने की मांग कर रहे हैं। एनटीए का कहना है कि 1,500 से ज्यादा उम्मीदवारों को दिए गए ग्रेस मार्क की समीक्षा करने के लिए चार सदस्यों की कमेटी गठित की गई है, जो एक हफ्ते के अंदर अपनी रिपोर्ट पेश करेगी। मगर संदेह इतना गहरा है कि ऐसे स्पष्टीकरण से छात्रों एवं समाज के एक बड़े हिस्से को संतुष्ट करने में सफलता नहीं मिली है। आरोप है कि पेपर लीक किया गया। यह मुद्दा इंडियन मेडिकल एसोसिएशन से संबंधित जूनियर डॉक्टर्स नेटवर्क ने उठाया। उसने मामले की सीबीआई जांच और दोबारा परीक्षा कराने को कहा है। जो हालात हैं, उनके बीच इन मांगों को ठुकराना मुश्किल मालूम पड़ता है। अगर ऐसा कर भी दिया गया, तो यह परीक्षा की शुचिता पर संदेह जारी रखने की कीमत पर ही होगा।

विशेष लेख

मध्यप्रदेश में खास रही स्त्री शक्ति की भूमिका

-प्रो.संजय द्विवेदी

मध्यप्रदेश में सभी लोकसभा सीटों पर विजय प्राप्त कर भाजपा ने कठिन समय में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बड़ा सहारा दिया है। जिसमें मध्यप्रदेश की महिला मतदाताओं का योगदान सबसे महत्वपूर्ण है। विधानसभा चुनाव अभियान से ही प्रधानमंत्री मोदी मध्यप्रदेश में सबसे खास चेहरा बने हुए हैं। मध्यप्रदेश विधानसभा चुनावों में भाजपा ने मोदी के चेहरे पर ही चुनाव लड़ा था और भारी जनसमर्थन प्राप्त किया। मोदी के मन में मध्यप्रदेश, मध्यप्रदेश के मन में मोदी यह मुख्य नारा था, जिसमें संगठन के परिश्रम ने प्राण फूंक दिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सत्ता में तीसरी बार वापसी एक असाधारण घटना है। भारत जैसे जीवंत लोकतंत्र में अपनी लोकप्रियता और प्रासंगिकता बनाए रखना इतना आसान नहीं होता। भाजपा जैसे दल के लिए जिसने 8 वें दशक में सिर्फ दो लोकसभा सीटों के साथ अपनी यात्रा प्रारंभ की हो, यह चमत्कार ही है। अनपेक्षित परिणामों के बाद भी केंद्र में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी और एनडीए सबसे बड़ा गठबंधन है। मध्यप्रदेश वैसे भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा के अद्भुत समन्वय से चलने वाला राज्य रहा है। मुख्यमंत्री मोहन यादव, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, संगठन मंत्री हितानंद शर्मा, ज्योतिरादित्य सिंधिया जैसे दिग्गजों की जुगलबंदी ने जो इतिहास रचा है, उसे लंबे समय तक याद किया जाएगा। इसके अलावा नरेंद्र सिंह तोमर, कैलाश विजयवर्गीय, प्रहलाद पटेल, राजेन्द्र शुक्ल, फग्गन सिंह कुलस्ते, वीरेंद्र कुमार जैसे अनेक नेता भाजपा के सामाजिक और भौगोलिक विस्तार को स्थापित करते हैं। संघ की प्रयोगभूमि होने के कारण मध्यप्रदेश पर पूरे देश की निगाह थी। मध्यप्रदेश में यह वैचारिक यात्रा हिंदुत्व,भारतबोध की यात्रा तो है ही समाज के सभी वर्गों की हिस्सेदारी ने इसे सफल बनाया है। स्त्री शक्ति इसमें सबसे प्रमुख है। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जहां स्त्री शक्ति को भाजपा के साथ गोलबंद करने में अहम भूमिका निभाई, वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सत्ता में आते ही सामान्य जन के जीवन स्तर को उठाने के प्रयास किए। विभिन्न योजनाओं के माध्यम से गरीब परिवारों को संबल दिया, जिस बदलाव को स्त्री शक्ति ने महसूस किया। स्त्री भारतीय परिवारों की धुरी है। भारतीय राजनीति में स्त्री को इस तरह से केंद्र में रखकर कभी विचार नहीं किया गया। यह बात रेखांकित करना चाहिए कि आखिर देश की राजनीति में स्त्री के सवाल हाशिए पर क्यों रहे हैं? स्त्री आखिर चाहती क्या है? वह चाहती है सुखद, सुरक्षित, आनंदमय जीवन और अपने बच्चों का सुनहरा भविष्य। एक अदद छत जिसमें वह अपने परिवार के साथ चैन से रह सके। नरेंद्र मोदी ने सामान्य भारतीय स्त्री के इस मन और जीवन की समस्याओं को संबोधित किया। स्त्री को सुरक्षित परिवेश और बेटियों को आसमान छूने की प्रेरणा दी। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ सिर्फ नारा नहीं एक सामाजिक संकल्प बन गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बहुत सामान्य परिस्थितियों से आगे बढ़े हैं। वे परिवारों को चलाने वाली स्त्री के दर्द, उसकी जरूरतों को समझने वाले राजनेता हैं। उज्जवला गैस जैसे योजना उनके संवेदनशील मन की गवाही देती है। लकड़ियां लेटर आने,गोबर के उपलों से खाना बनाती स्त्री, उसके कष्ट सब नहीं समझ सकते। धुएं के नाते उसको होने वाले स्वास्थ्यगत नुकसान को भी सब नहीं समझ सकते। बात छोटी है,पर संवेदना बहुत बड़ी। इसी तरह शौचालय न होने के कारण स्त्री के कष्ट से हर घर शौचालय का विचार एक क्रांतिकारी कदम था। यह मुद्दा महिला सुरक्षा ,स्वास्थ्य और स्वच्छता सबसे जुड़ा हुआ मुद्दा है। मध्यप्रदेश ने केंद्र की सभी योजनाओं का श्रेष्ठ क्रियान्वयन किया। इस पहल ने देश और प्रदेश में परिवर्तन का सूत्रपात किया। प्रधानमंत्री आवास योजना इसी दिशा में उठाया गया एक ऐसा कदम था, जिसने परिवार को छत दी। आप लाख कहें महिला के लिए उसके घर से बड़ी कोई चीज नहीं होती। यह बहुत भावनात्मक विषय है, जो सामान्य मन से समझ में नहीं आएगा। कोरोना संकट में देश और उसके नागरिकों की अभिभावक की तरह चिंता करके प्रधानमंत्री ने लोगों के मन में जगह बना ली। वैक्सीन से लेकर 80 करोड़ परिवारों को राशन ने स्त्रियों के मन में सरकार के प्रति भरोसा जगाया।

कई मामलों में नाकाम रह गई सरकार

लक्ष्मी मल्लु सिंघवी

मैं भारतीय लोकतंत्र के राष्ट्रपति डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद को विदा का प्रणाम प्रस्तुत करते हुए उन्हें अपनी श्रद्धा के फूल भेंट करता हूं। उन्होंने देश के समक्ष बलिदान और देश सेवा का सुंदर उदाहरण प्रस्तुत किया है, परंतु इसके साथ ही मैं यह भी निवेदन कर देना चाहता हूं कि उनका अभिभाषण उन आश्वासनों को पूरा नहीं करता, जिसका आश्वासन कांग्रेस दल ने चुनावों के समय दिया था। उसमें सरकार की नीतियों तथा कार्यक्रमों का कोई नया नक्शा नहीं प्रस्तुत किया गया। अभिभाषण में बड़ी गंभीर बातों की उपेक्षा की गई है। यह तो संतोष की बात है कि भारत ने लोकतंत्रीय प्रणाली को अपनाया है और बहुत बड़ा चुनाव इस देश में हुआ है, जिसके लिए हमें अपने चुनाव आयोग को मुबारकबाद देनी चाहिए, परंतु इस दिशा में कुछ ऐसी भी बातें हुई हैं, जिनकी उपेक्षा नहीं की जा सकती। पदासीन दल ने सरकारी शक्ति का खूब प्रयोग किया है। कांग्रेस के नेता एक ओर तो सांप्रदायिकता और जाति भेद इत्यादि की निंदा करते हैं, परंतु दूसरी ओर, वे सांप्रदायिक वर्गों जैसे ढंग अपनाते रहे हैं। कांग्रेस दल को अपनी विजय पर फूल नहीं उठना चाहिए, बल्कि उसे चुनावों में जो कमियां रह गई हैं, उन पर विचार करना चाहिए, ताकि भविष्य में भारत में लोकतंत्र मजबूत हो सके। इस बारे में मेरा मत यह है कि ससंदीय प्रजातंत्र प्रणाली के लिए विरोधी दल का होना जरूरी है। एक सक्रिय विरोधी दल के बिना प्रजातंत्र सफल नहीं हो सकता । यह भी बड़ी खेदजनक बात है कि राष्ट्रपति के अभिभाषण में देश में सर्वत्र विद्यमान भ्रष्टाचार का कोई उल्लेख नहीं किया गया। इसे दूर करने का आश्वासन भी नहीं दिया गया। मेरा कहना तो यह है कि सरकार इसे रोकने में बिल्कुल असफल रही है। इस बुराई को दूर किया जाना बहुत ही आवश्यक है, इसके बिना देश प्रगति की ओर नहीं बढ़ सकता। देश के लिए एक स्वच्छ, ईमानदार तथा सकुशल प्रशासन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। विभिन्न राज्यों में चौकसी समितियां बनाई जानी चाहिए तथा प्रक्रियाओं को कड़ा बनाया जाना चाहिए। नमूने के तौर पर किसी भी राज्य में राजनीति में भाग लेने वाले व्यक्तियों की संपत्ति की जांच की जानी चाहिए। पंजाब और राजस्थान में तो इस प्रकार की जांच की बहुत ही आवश्यकता है। इसके अतिरिक्त सरकारी कामों में जो लालफीताशाही का बोलबाला हो रहा है, उसे भी कम किया जाए। इससे भी काम की बहुत हानि होती है। आर्थिक समस्या को हल करने के बारे में भी अभिभाषण में कोई विशेष संकेत नहीं है। इस दिशा में प्रगतिशील दृष्टिकोण का नितांत अभाव है। समाजवाद का नाम लेकर ही सारे अवगुणों और दोषों को छिपाने का यत्न किया जाता है। मेरा निवेदन है कि हमें इस सरकारी पूंजीवाद को समाजवाद का दरजा नहीं देना चाहिए। स्थिति में सुधार के लिए प्रयत्न किए जाने चाहिए। सरकारी उपक्रमों का अध्ययन करने पर पता चलता है कि जितनी फिजूलखर्ची वहां होती है, उतनी उन गैर-सरकारी उपक्रमों में नहीं होती है, जिनका निरंतर विरोध किया जाता है। उनकी मजदूरी व्यवस्था तथा उत्पादन व्यय गैर-सरकारी संस्थानों से बहुत अधिक है और कोई वाद श्लाघा योग्य नहीं है। हमें व्यावहारिक रूप में समाजवाद का प्रभाव देखना चाहिए व समाजवाद के नाम पर चल रहा भ्रष्टाचार रोकना होगा। इसके अतिरिक्त आज एक बहुत बड़ी महत्वपूर्ण समस्या है बेरोजगारी, जिसे सरकार हल नहीं कर सकी है। स्वयं सरकार की ओर से भी इस बात को स्वीकार किया गया है। एक सक्रिय विरोधी दल के बिना प्रजातंत्र सफल नहीं हो सकता । यह भी बड़ी खेदजनक बात है कि राष्ट्रपति के अभिभाषण में देश में सर्वत्र विद्यमान भ्रष्टाचार का कोई उल्लेख नहीं किया गया। इसे दूर करने का आश्वासन भी नहीं दिया गया। मेरा कहना तो यह है कि सरकार इसे रोकने में बिल्कुल असफल रही है। इस बुराई को दूर किया जाना बहुत ही आवश्यक है, इसके बिना देश प्रगति की ओर नहीं बढ़ सकता। देश के लिए एक स्वच्छ, ईमानदार तथा सकुशल प्रशासन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। विभिन्न राज्यों में चौकसी समितियां बनाई जानी चाहिए तथा प्रक्रियाओं को कड़ा बनाया जाना चाहिए। नमूने के तौर पर किसी भी राज्य में राजनीति में भाग लेने वाले व्यक्तियों की संपत्ति की जांच की जानी चाहिए। पंजाब और राजस्थान में तो इस प्रकार की जांच की बहुत ही आवश्यकता है। इसके अतिरिक्त सरकारी कामों में जो लालफीताशाही का बोलबाला हो रहा है, उसे भी कम किया जाए। इससे भी काम की बहुत हानि होती है। आर्थिक समस्या को हल करने के बारे में भी अभिभाषण में कोई विशेष संकेत नहीं है।शायद सरकार यह समझने लग गई है कि यह प्रश्न हल नहीं हो सकता, परंतु इसके प्रति अधिक देर उदासीन नहीं रहा जा सकेगा। इस समस्या के साथ शिक्षित बेरोजगारों की समस्या भी संबद्ध है। अत: इससे देश में क्रांति हो सकती है, इसे बहुत संतोषजनक ढंग से हल करना ही होगा।

गठबंधन सरकार से भी उम्मीदें बेशुमार

आलोक जोशी

भारत एक कृषि प्रधान देश है, जिसकी अधिकतर आबादी गांवों में बसती है। दसियों साल से स्कूल के निबंधों में कैद यह पंक्ति अब शायद वापस राजनीति के केंद्र में लौट रही है और इसके साथ ही अर्थनीति पर भी इसकी छाप स्वाभाविक है। दूसरी ओर, बढ़ती आबादी पर लगाम कसने की नाकाम कोशिश के बाद उसी आबादी को डेमोग्राफिक डिविडेंड, यानी जनसांख्यिकीय लाभांश बताने का हैंगओवर भी सामने आ चुका है। इसका अर्थ है, सरकार की प्राथमिकताओं में रोजगार का इंतजाम सबसे बड़ी प्राथमिकता बन सकता है। मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल की अधिकृत शुरुआत से पहले ही सौ दिनों के एजेंडे पर काम चालू हो चुका था, मगर सरकार के अहम सहयोगी इन एजेंडों को कितना पटरी पर रहने देंगे, यह सवाल बड़ा हो चुका है। यहां हिसाब लगाना जरूरी है कि जीडीपी में बढ़त की रफ्तार आठ फीसदी से ऊपर जाने की खुशखबरी आने के ठीक बाद कहीं उस पर ब्रेक लगने का डर तो नहीं पैदा होगा? खासकर, यह देखते हुए कि पिछले कार्यकाल के मुकाबले इस बार सहयोगी दलों की गिनती कम होने के बावजूद उनकी अहमियत बढ़ चुकी है। जनता दल (यूनाइटेड) के मुखिया नीतीश कुमार और तेलुगू देशम पार्टी के चंद्रबाबू नायडू की तरफसे अपने-अपने राज्यों के लिए विशेष दर्जे की मांग तो स्वाभाविक है, पर क्या मोदी सरकार के महत्वपूर्ण आर्थिक एजेंडों या आर्थिक सुधारों की रफ्तार पर ब्रेक लगाने की कोई मांग इनकी तरफ से आ सकती है? अलग-अलग विचारों के बावजूद चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार, दोनों ही आर्थिक और प्रशासनिक मोर्चे पर सुधार व विकास की राजनीति के लिए ही जाने जाते हैं। यानी, इनकी तरफ से आर्थिक मोर्चे पर किसी बड़ी अड़चन की आशंका नहीं होनी चाहिए। ध्यान रहे, भारत में बहुत बड़े आर्थिक सुधार ऐसी सरकारों के दौर में हुए हैं, जब या तो मिली-जुली सरकारें थीं या फिर बाहरी समर्थन पर टिकी सरकार देश चला रही थी। साल 1991 में आर्थिक सुधारों की शुरुआत या अर्थव्यवस्था को खोलने का काम ही पीवी नरसिंहराव सरकार ने किया था, जिसे संख्या-बल के कारण एक कमजोर सरकार माना जाता था। इसी तरह, एच डी देवेगौड़ा और इंदर कुमार गुजराल की संयुक्त मोर्चा सरकारों ने आयकर की स्लैब घटाकर तीन करने का काम और दूरसंचार नियामक ट्राई (टीआरएआई) की स्थापना जैसे बड़े फैसले किए। दूरसंचार, पेंशन, सरकारी घाटे पर लगाम कसने की व्यवस्था, बिजली और बीमा क्षेत्र के अनेक बड़े सुधार अटल बिहारी वाजपेयी की उस सरकार ने किए, जिसे अपने दम पर पूर्ण बहुमत हासिल नहीं था। मनमोहन सिंह ने भी यूपीए के दौर में मनरेगा, खाद्य सुरक्षा कानून, भूमि अधिग्रहण कानून और पेट्रोलियम उत्पादों को बाजार के हवाले करने जैसे बड़े फैसले किए। वैसे, मोदी सरकार के भी पहले कार्यकाल में जीएसटी लागू करने जैसा बड़ा काम हुआ, जिसमें सारी राज्य सरकारों को राजी करना जरूरी था। हालांकि, कई बार पूर्ण बहुमत वाली सरकारें भी वह नहीं कर पाईं, जो वह करना चाहती थीं, जैसे- मोदी सरकार में कृषि कानूनों की वापसी। यह जरूर है कि गठबंधन में सरकारें ऐसे काम नहीं कर पातीं, जिनसे किसी के नाराज होने का डर हो, पर ऐसे काम तेज हो सकते हैं, जिनका फायदा साफ दिखता हो, या जो गठबंधन में शामिल सभी या अधिकतर पार्टियों के एजेंडे से मेल खाते हों। आज का हाल देखें। बुनियादी ढांचे में सुधार, सड़क, रेल, बिजली, पानी जैसी सुविधाएं बढ़ाना और ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाना- इसमें भला कौन सी बाधा आ सकती है? श्रम कानूनों में सुधार या बदलाव पर विवाद हो सकता है, लेकिन उसके बिना भी भारत तेज विकास कर रहा है। वास्तव में, इस वक्त हालात जितने अनुकूल दिखते हैं, वैसे शायद पहले कभी नहीं रहे। अर्थव्यवस्था में बढ़त की रफ्तार 8.2 प्रतिशत पर पहुंच चुकी है। रिजर्व बैंक ने भारत सरकार को उम्मीद से दोगुना लाभांश दिया है। जीएसटी वसूली नए रिकॉर्ड बनाती जा रही है। आयकर व कॉरपोरेट टैक्स के मोर्चे पर कमाई बढ़ती जा रही है। सरकारी कंपनियों में हिस्सेदारी बेचने का लक्ष्य भले पूरा न हो, पर अब वे बोझ नहीं, कमाऊ पूत लग रही हैं। मतलब यह कि सरकार के हाथ बंधे हुए नहीं हैं और जरूरी चीजों पर खर्च की गुंजाइश बनी हुई है। अब बजट में सरकार को जहां ध्यान देना है, वह यह कि कैसे भारत की तरक्की की रफ्तार बनी रहे या और तेज की जा सके? कैसे नए रोजगार पैदा हों? कैसे गांव, गरीब और किसान तक ज्यादा से ज्यादा फायदा पहुंच सके और ग्रामीण इलाकों में भी विकास का सपना साकार किया जा सके? पिछले दस साल में यह एक बड़ी समस्या रही है कि सरकार ने सीमित संसाधनों के बावजूद काफी खर्च किया, मगर जवाब में निजी क्षेत्र की तरफसे जो खर्च होना था, उतना नहीं हुआ। हां, मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल के अंत तक पहुंचते-पहुंचते वित्त मंत्री जरूर यह मानने लगी थीं कि निजी क्षेत्र नए कारखानों और मशीनों में पैसे लगाने लगे हैं। यह होना जरूरी है, क्योंकि सिर्फ सरकार के भरोसे विकास नहीं हो सकता। रोजगार बढ़ाने का काम भी तभी होता है, जब सरकार और कारोबारी कंधे से कंधा मिलाकर चलें। तिमाही दर तिमाही कंपनियों के सुधरते नतीजे, शेयर बाजार में तेजी की लहर और विदेशी निवेशकों की बिकवाली के बावजूद घरेलू निवेशकों की तरफसे जबर्दस्त निवेश मिलकर यह संदेश दे रहे हैं कि अब कंपनियों के पास कोई बहाना नहीं है। ऐसे में, सरकार के सामने जो प्राथमिकताएं साफदिख रही हैं, उनमें अब जनता को खुश करने वाली और उन्हें न सिर्फ वर्तमान, बल्कि भविष्य के प्रति भी आश्वस्त करने वाली योजनाओं पर खर्च और जोर बढ़ाना सबसे ऊपर होगा। सुधारों के मोर्चे पर आगे बढ़ना होगा। जिन चीजों पर असहमति की गुंजाइश है, उनको किनारे रखकर आर्थिक तरक्की और रोजगार के मोर्चे पर बड़े कदम उठाने होंगे। जाहिर है, मुफ्त गैस और मुफ्त अनाज से खुश होने के बाद अब लोग इससे आगे कुछ चाहते हैं। उनकी सबसे बड़ी जरूरत रोजगार की है, पर इसके इंतजाम में अभी वक्त लगेगा। ऐसे में, लोगों को तत्काल खुश करने वाले कुछ एलान बजट में सुनाई दें, तो हैरानी नहीं होनी चाहिए।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर, शनिवार 15 जून 2024
www.dvpnews.in
vishwapariwarraipur@gmail.com

जो 'स्व' व 'पर' कल्याण के लिए दिया जाता है वह दान कहलाता है : स्वस्तिभूषण माताजी

केशवरायपाटन (विश्व परिवार)। परम पूजनीय भारत गौरव गणिनी आर्यिका 105 स्वस्तिभूषण माताजी ने अतिशय क्षेत्र पर अपने मंगल प्रवचन में दान का महत्व बताया। पूज्य माताजी ने विस्तार पूर्वक बताया कि हर धर्म में दान की परम्परा हैं और जैन धर्म में तो दान को अत्यधिक महत्त्व दिया गया है! ऐसा क्यों? एक नहीं चार प्रकार के दान बताये हैं!औषध दान ज्ञान दान अभय दान आहार दान! चारों में धन की आवश्यकता है। औषधि देना है तो धन की आवश्यकता है ज्ञान दान में शास्त्र देना है तो शास्त्र छपवाने के लिए धन होना जरूरी है! आहार दान देने के लिए भी धन की आवश्यकता है!

अभय दान जीवों की रक्षा करना हाँ ये दान बिना धन से कर सकते हैं! जीवों की रक्षा करना देख कर चलना किसी जीव को मारना नहीं सताना नहीं पीड़ा नहीं देना! ये जरूर आप बिना धन के कर सकते हो! पर दान क्यों बताया है? इंसान को सबसे ज्यादा प्रेम किससे होता है? चमड़ी चली जाये दमड़ी ना जाये! ये दमड़ी क्या है? धन है!

जो स्व और पर के कल्याण के लिए दिया जाये वह दान है! धन से हमें कितना मोह होता है और जब हम उस धन को मंदिर निमार्ण में लगाते हैं तो हमें मंदिर से भी मोह हो जाता है!क्योंकि मंदिर निर्माण में हमारा भी धन लगा है! धर्मात्मा की ऐसी प्रकृति होती है कि वह पहले मंदिर को सजाता है बाद में अपने आपको सजाता है। माताजी ने वर्तमान परिपेक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा कि आज कल के बच्चे 1 लाख रूपये महीना कमा रहे हैं लेकिन उनमे दान के भाव नहीं है! मॉल से 10 हजार की जींस ले आएंगे लेकिन मंदिर में दान नहीं करेंगे।

जैन धर्म दान की परम्परा से ही चलेगा! हम जितना अपनी संस्कृति को सुरक्षित रखेंगे जितने प्राचीन मंदिरों का जीर्णोद्धार कराते रहेंगे उतना ही आने वाले समय तक जैन धर्म जीवित रहेगा! माताजी ने जैन धर्म की प्राचीनता को बताते हुए कहा कि जैन धर्म की। प्राचीनता का अनुमान आप इससे ही लगा सकते हैं कि आज भी केरल महाराष्ट्र उड़ीसा आदि राज्यों में आज भी खुदाई में जैन मूर्तियां ही निकलती हैं। कल राग के त्याग की चर्चा चल रही थी दान का मतलब भी राग का त्याग करना ही है! अप्रत्याख्यान कषाय का उदय है तो दान करने की इच्छा नहीं होगी! जीवन में करोडों कमा लेना लेकिन पुण्य के बिना दान भी नहीं कर सकते! जीवन में जो मिला है वह उपयोग करने के लिए मिला है! अपने धन का कम से कम 6ठ तो दान करना ही चाहिए! पहले घर पर कोई आता था तो पेट भर कर खिलाते थे अब प्लेट भरकर खिलाते हैं! इसलिए जीवन में दान अवश्य करना चाहिए! 10 रूपये हैं तो 1 रुपया दान में अवश्य निकालें!

लोकरंजनी रायपुर एवं संस्कार भारती द्वारा छत्तीसगढ़ के साहित्यकारों का सम्मान

साहित्य, संस्कृति और परंपरा का निर्धारण करती हैं: कुलपति डॉ. सच्चिदानंद शुक्ला

साहित्य साधना में लीन कवियों का सम्मान मां भारती का सम्मान है : डॉ. पुरूषोत्तम चंद्राकर

रायपुर (विश्व परिवार)। लोकरंजनी लोककला मंच रायपुर तथा कला एवं साहित्य व रंगमंच के लिए समर्पित अखिल भारतीय संस्था संस्कार भारती रायपुर के संयुक्त तत्वावधान में कवि व साहित्यकारों के सम्मान में छत्तीसगढ़ साहित्य रत्न सम्मान 2024 कार्यक्रम का आयोजन रायपुर के सिविल लाइन स्थित वृंदावन हाल में किया गया। जिसमें राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय कवि पद्मश्री डॉ. सुरेंद्र दुबे, मीर अली मीर, रामेश्वर वैष्णव, रामेश्वर शर्मा, सुशील भोले, डॉ. चितरंजन कर, श्रीमती शकुंतला तरार, डॉ. सीमा श्रीवास्तव, श्रीमती उर्मिला देवी उर्मी, राजेश जैन %राही%, डॉ. देवधर महंत, डॉ अनिल कुमार भतपहरी, गोविंद धनगर, राजेश चौहान, जनाब सुखनवर हुसैन, लोकनाथ साहू %ललकार%, शशि भूषण स्नेही, मिनेश कुमार साहू, डॉ. इंद्रदेव यदु, विजय मिश्रा %अमित%, आरंग से महेन्द्र कुमार पटेल को सम्मानित किया गया।

समारोह में मुख्य अतिथि प्रोफेसर डॉ. सच्चिदानंद शुक्ला कुलपति पंडित रविशंकर शुक्ल विवि रायपुर व अध्यक्षता सुश्री ललिता मेहर जी डी.एस.पी. रायपुर ने की। सभी अतिथियों एवं कवियों का स्वागत डॉ. पुरुषोत्तम चंद्राकर संचालक लोकरंजनी लोककला मंच रायपुर एवं अध्यक्ष संस्कार भारती रायपुर ने किया।

मुख्य अतिथि के आसंदी से डॉक्टर सच्चिदानंद शुक्ला ने संबोधित करते हुए कहा कि साहित्य संस्कृति और परंपरा का निर्धारण करती हैं। नैतिक मूल्यों व देश-काल के बारे में जानकारी देती है। उन्होंने भाषा के विकास पर गंभीर होने की बात कहते हुए सभी कवियों को विश्वविद्यालय पधारने के लिए आमंत्रित भी किया। जिससे विश्व विद्यालय में अध्यनरत छात्र छात्राएं भाषा साहित्य व कला से भी जुड़ सके।

इस अवसर पर डॉ. पुरुषोत्तम चंद्राकर ने सभी अतिथियों एवं कवियों साहित्यकारों का स्वागत करते हुए कहा कि संस्कृति व साहित्य के संरक्षण व संवर्धन के लिए साहित्य साधना में लगे कवियों व साहित्यकारों का सम्मान करना साक्षात मां भारती का सम्मान है। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डी.एस.पी. ललिता मेहर जी ने कहा कि साहित्य कारों ने अपना पूरा समय साहित्य को संवारने में लगा दिया भाषा साहित्य व संस्कृति का विकास हो और भावी पीढ़ी भी साहित्य से जुड़ते रहें।

कार्यक्रम का सफल संचालन सुश्री रजनी चंद्रवंशी एवं पूजा बंछोर ने खूबसूरत एवं आकर्षक ढंग से किया। वहीं संस्कार भारती व लोकरंजनी ने सभी आमंत्रित साहित्यकारों व कवियों को कुलपति डॉ सच्चिदानंद शुक्ला व डी.एस.पी. सुश्री ललित मेहर जी, संरक्षक श्री राकेश तिवारी जी, अध्यक्ष श्री रखी छत्रीय जी, उपाध्यक्ष डॉ. योगेंद्र चौबे जी व डॉ. पुरुषोत्तम चंद्राकर के करकमलों से सम्मान पत्र, श्रीफल, प्रतीक चिन्ह, अंगवस्त्र व एक एक पौधे भेंटकर छत्तीसगढ़ साहित्य रत्न सम्मान 2024 से विभूषित किया गया। तत्पश्चात आमंत्रित सभी कवियों ने अपनी अपनी उत्कृष्ट रचनाओं से शमां बांधा। जिससे श्रोताओं की तालियों से वृंदावन हाल गुंजती रही।सभी कवियों साहित्यकारों ने संस्कार भारती व लोकरंजनी का आभार जताते हुए आयोजन की सराहना किए। कार्यक्रम के आयोजन संयोजन में संस्कार भारती से महामंत्री हेमंत माहुलिकर, कोषाध्यक्ष जागेश्वर मानसर, राकेश तिवारी, श्रीमती सविता तिवारी, रंजन मोढक, श्रीमती वृंदा तांबे, श्रीमती रंजना गुरु, श्रीमती शैल सार्वा, भोजराज धनगर, भवानी शंकर तिवारी, डॉ.मुक्ति बैस, सुश्री रजनी चंद्रवंशी, सुश्री पूजा बंछोर, सुश्री कुसुम शर्मा, सुश्री मोनिका गुप्ता, श्रीमती रानी गुप्ता, सुश्री प्रिया सिंह, सुश्री सुमन त्यागी, घनश्याम वर्मा सहित संस्कार भारती व लोकरंजनी की सदस्यों की अहम् भूमिका रही। **-डॉ. पुरुषोत्तम चंद्राकर**

राजस्थान जैन युवा महासभा पर्यावरण संरक्षण के लिए लगायेगी 15000 पौधे

प्रत्येक जोन को दिया 1000 पौधे लगाने व उनकी देखभाल करने का लक्ष्य

जयपुर (विश्व परिवार)। जैन युवा एवं महिला संगठनों की प्रदेश स्तरीय पंजीकृत प्रतिनिधि संस्था राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर द्वारा गत 30 वर्षों से धार्मिक गतिविधियों के साथ मानव सेवार्थ एवं सामाजिक सेवा कार्य किये जा रहे हैं। इसी कड़ी में भगवान महावीर के 2550 वें निर्वाण वर्ष के दौरान आगामी वर्षाकाल में पर्यावरण संरक्षण के लिए 15000 पौधे लगाने का संकल्प युवा महासभा के सहकार मार्ग स्थित प्रदेश कार्यालय में आयोजित मीटिंग में लिया गया। युवा महासभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन एवं प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा के नेतृत्व में आयोजित इस मीटिंग का शुभारंभ विश्व शांति प्रदायक णमोकार महामंत्र के तीन बार सामूहिक उच्चारण से किया गया। मीटिंग में सभी 5 सम्भागो एवं 15 जोनो के पदाधिकारियों ने सहभागिता निभाई। इस मीटिंग में सभी जोनो को अपने अधीनस्थ युवा एवं महिला संगठनों के माध्यम से प्रत्येक जोन में कम से कम 1000 पौधे लगाने व उनकी देखभाल करने का लक्ष्य दिया गया है। शहर के 225 से अधिक दिगम्बर जैन मंदिरों में, आसपास के पार्कों में, जयपुर शहर व आसपास के तीर्थ क्षेत्रों, धर्मशालाओं इत्यादि में अभी से जगह देखने एवं पौधे लगाने की रुपरेखा बनाने हेतु उपस्थित सभी पदाधिकारियों को निर्देश प्रदान किये गये हैं।

प्रदेश कोषाध्यक्ष रवि प्रकाश जैन ने बताया कि जयपुर महानगर में 150 से अधिक युवा एवं महिला संगठन, महिला मण्डल, जेएसजी संगिनी फारम आदि युवा महासभा के अधीनस्थ धार्मिक एवं सामाजिक सेवा की गतिविधियां कर रहे हैं।

प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक अभी हाल ही में जैन धर्म के प्रवर्तक एवं प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव की जन्म जयंती 3 अप्रैल से जैन धर्म के 24 वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक 21 अप्रैल तक युवा महासभा द्वारा 21 से अधिक गतिविधियां मानव सेवार्थ एवं धार्मिक पखवाड़ा के दौरान की गई है।

यात्रा के पूर्व सभी यात्रियों का किया जाए स्वास्थ्य परीक्षण- कलेक्टर

श्रीरामलला दर्शन (अयोध्या धाम) यात्रा हेतु गठित जिला स्तरीय समिति की बैठक

जगदलपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ शासन, पर्यटन विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार श्रीरामलला दर्शन (अयोध्या धाम) यात्रा हेतु यात्रियों की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला स्तर पर जिला स्तरीय श्रीरामलला दर्शन यात्रा समिति का गठन किया गया है। कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति की बैठक जिला कार्यालय के आस्था सभाकक्ष में रखी गई। जिसमें सभी विकासखंड और नगरीय निकायों से कुल 98 यात्रियों की सूचियों का अनुमोदन किया गया। कलेक्टर ने कहा कि यात्रा के पूर्व सभी यात्रियों का स्वास्थ्य परिक्षण करवाना सुनिश्चित किया जाए। साथ ही अधिक उम्र के यात्रियों के साथ सहयोगी के रूप में परिवार का कोई सदस्य जाए, जिससे संबंधित बुजुर्ग यात्री की समुचित देखभाल हो सके। इसके अलावा यात्रा के दौरान यात्री अपने सामान की हिफाजत स्वयं करेंगे और आपातकालीन स्थिति के लिए जिला स्तर पर संपर्क हेतु कंट्रोल रूम की स्थापना करने के निर्देश दिए। उक्त बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री शलभ सिन्हा, जिला पंचायत सीईओ श्री प्रकाश सर्वे, आयुक्त नगर निगम श्री हरेश मंडावी, अति. सीईओ जिला पंचायत एवं समिति के गणमान्य सदस्य और अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

रायपुर के केन्द्रीय कार्यालयों ने राजभाषा कार्यशाला के साथ विश्व रक्तदाता दिवस के उपलक्ष्य मे रक्तदान शिविर का आयोजन किया

रायपुर (विश्व परिवार)। राजीव गांधी राष्ट्रीय भूमिजल प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, रायपुर में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) के तत्वाधान में 14.06.2024 संयुक्त हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया है। इस कार्यशाला में 6 कार्यालय - नेहरू युवा केन्द्र संगठन, राजीव गांधी राष्ट्रीय भूमिजल प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान, नागरीय विमानन एवं सुरक्षा ब्यूरो, एमएसटीसी, एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन केंद्र, अंतर राज्य पुलिस बेतार केंद्र, के 30 से अधिक अधिकारियों ने भाग किया।

कार्यशाला की अध्यक्षता श्री निधीष वर्मा, क्षेत्रीय निदेशक, राजीव गांधी राष्ट्रीय भूमिजल प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान ने करते हुए कहा की छत्तीसहगढ़ राज्य 'क' क्षेत्र मे आता है जिस वजह से राजभाषा हिंदी के प्रचार प्रसार व् प्रशासनिक भाषा में कार्यालीन क्षमता संवर्धन करने के लिए इस तरह की कार्यशाला बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने आगे बताया की चूंकि सभी कार्यालय एक दूसरे से जुड़े रहते है व अधिकारी अलग अलग प्रांत से आते हैं तो ऐसी कार्यशाला से एक ही स्थान पर विभिन्न कार्यालय के समावेश से कार्यों में सहयोग, समन्वय व् एकजुटता स्थापित होती है।

श्री नीरज कुमार सिंह, सहायक निदेशक व कार्यालय प्रमुख, एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन केंद्र ने कहा की छत्तीसगढ़ जैसे राज्य के लिए हिन्दी भाषा बहुत जरूरी व उपयोगी है। कार्यालय के सभी दस्तावेज़ हिन्दी भाषा मे बनाए जाते जिससे आम लोगों को अत्यंत लाभ पहुँच रहा है। उन्होंने आगे बताते हुए कहा की ऐसी हिन्दी कार्यशाला से कार्यालीन कार्य करने में सहजता हुई है। श्री अजय कुमार साहू, वरिष्ट सुरक्षा अधिकारी, नागरीय विमानन एवं सुरक्षा ब्यूरो, रायपुर ने अपने कार्यालय के संक्षित परिचय देते हुए कहा की विमान से यात्रा करने वाले नागरिकों की सुरक्षा के लिए यह विभाग का गठन किया गया है। कार्यशाला के प्रथम वक्ता श्री गोपाल प्रसाद, सहायक निदेशक, राजीव गांधी राष्ट्रीय भूमिजल प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान रहे। उन्होंने विभिन्न कार्यालीन रिपोर्ट लेखन और हिन्दी में टिप्पणी/ आलेखन के बारे में चर्चा की। उन्होंने प्रशासनिक भाषा व शब्दावली पर विशेष बल दिया। कार्यशाला के दूसरे वक्ता के रूप में अभिषेक प्रकाश, अनुवाद अधिकारी, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार का अनुवाद टूल कंठस्थ 2.0 के बारें मे जानकारी दी गई। ट्रांसलेशन मेमोरी पर आधारित यह सिस्टम भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अधीन राजभाषा विभाग के लिए विकसित किया गया है। इस सिस्टम के माध्यम से अंग्रेजी से हिंदी तथा हिंदी से अंग्रेजी में अनुवाद संभव है। विश्व रक्तदाता दिवस 14 जून के उपलक्ष्य में आज नेहरू युवा केंद्र रायपुर के सहयोग से राजीव गांधी राष्ट्रीय भूमिजल प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, रायपुर द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया जिसमे 25 से अधिक अधिकारियों ने सफलता पूर्वक रक्तदान किया। श्री निधीष वर्मा, क्षेत्रीय निदेशक, राजीव गांधी राष्ट्रीय भूमिजल प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान ने सभी अधिकारियों को रक्तदाता की शपत दिलाई।

माहेश्वरी वंशोउत्पति दिवस महेश-नवमी

धर्मग्रंथों के अनुसार माहेश्वरी समाज के पूर्वज पूर्वकाल में क्षत्रिय वंश के थे। शिकार के दौरान वह ऋषियों के शाप से ग्रसित हुए। भगवान महेश और माता पार्वती की कृपा से 72 क्षत्रिय उमराव को पुनर्जीवन मिला और माहेश्वरी समाज की उत्पत्ति हुई। जेष्ठ शुक्ल नवमी के दिन भगवान शंकर ने अपनी कृपा से उन्हें शाप से मुक्त कर न केवल पूर्वजों की रक्षा की, बल्कि इस समाज को अपना नाम भी दिया।

भगवान महेश और माता पार्वती को माहेश्वरी समाज का संस्थापक माना जाता है, भगवान की कृपा से ही यह समुदाय को 'माहेश्वरी' नाम से पहचाना जाता है। माहेश्वरी समाज के आराध्य भगवान शिव पृथ्वी, कमल पुष्प पर बेलपत्ती, त्रिपुंड्र, त्रिशूल, डमरू के साथ लिंग रूप में शोभायमान होते हैं। जिसमे त्याग, सेवा, सदाचार लिखा होता है।

भगवान शिव के इस बोध चिह्न के प्रत्येक प्रतीक का अपना महत्त्व है। इसको हम विस्तार से ऐसे भी जानते है, पृथ्वी- पृथ्वी गोल परिधि में है, परंतु भगवान महेश ऊपर हैं अर्थात पृथ्वी की परिधि भी जिन्हें नहीं बांध सकती। वह एक लिंग भगवान महेश संपूर्ण ब्रह्मांड में सबसे ऊपर हैं।

त्रिपुंड्र - इसमें तीन आड़ी रेखाएं हैं जो कि संपूर्ण ब्रह्मांड को समाए हुए हैं। एक खड़ी रेखा यानी भगवान शिव का ही तीसरा नेत्र, जो कि दुष्टों के दमन हेतु खुलता है। यह त्रिपुंड भस्म से ही लगाया जाता है, जो कि देवाधिदेव महादेव की वैराग्य वृत्ति के साथ ही त्यागवृत्ति की ओर इंगित करता है तथा आदेश देता है कि हम भी अपने जीवन में हमेशा त्याग व वैराग्य की भावना को समाहित कर समाज व देश का उत्थान करें। त्रिशूल - विविध तापों को नष्ट करने वाला एवं दुष्ट प्रवृत्ति का दमन कर सर्वत्र शांति की स्थापना करता है। डमरू- स्वर, संगीत की शिक्षा देकर कहता है उठो, जागो और जनमानस को जागृत कर समाज व देश की समस्याओं को दूर करो। कमल - जिसमें नौ पंखुड़ियां हैं, जो कि नौ दुर्गाओं का द्योतक है। नवमी ही हमारा उत्पत्ति दिवस है। इसलिए इसे माहेश्वरी वंशोउत्पति दिवस भी कहते है।

माहेश्वरी समाज में यह उत्सव माहेश्वरी वंशोत्पत्ति दिन के रुप में पूरे भारत वर्ष में बहुत ही भव्य रूप में और बड़ी ही धूम-धाम से मनाया जाता है. इस उत्सव की तैयारी पहले से ही शुरु हो जाती है. इस दिन जन कल्याण कार्यक्रम जैसे भंडारा, शर्बत वितरण, रक्तदान शिविर, चिकित्सा शिविर, के साथ साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम धार्मिक कार्यक्रम भी किए जाते हैं, भव्य शोभायात्रा निकाली जाती हैं, महेश वंदना गाई जाती है, भगवान महेशजी की महाआरती होती है, हर घर मे रंगोली और दीप प्रज्वलित होता है। यह पर्व भगवान महेश और पार्वती के प्रति समर्पित पूर्ण भक्ति और त्याग, सेवा, और सदाचार की आस्था प्रगट करता है। **-संजय हरनारायण मोहता**

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./12076/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2024
रायपुर दिनांक : 14-06-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 12076
वार्ड का नाम- 28- शहीद हेमू कालाणी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 28 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR235C00274** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **KRIHSNAKANT YADAV, RAMAKANT YADAV** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. ANUPROOP YADAV** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्री रमाकांत यादव** पिता/पति, श्री/श्रीमती **पिता- स्व. श्री अनुरूप यादव** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक त्याग विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./12184/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2024
रायपुर दिनांक : 14-06-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 12184
वार्ड का नाम-66-वामनराव लाखे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 66 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR664G00101** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **NARAYAN SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **VIJAY SAHU** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **NAJUL TARANI VERMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **PAVAN VERMA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
श्री विमल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (5)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./12191/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2024
रायपुर दिनांक : 14-06-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 12191
वार्ड का नाम- 40 - ठाकुर प्यारेलाल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 40 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR569L00485** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **KAILASH BAI** पिता/पति, श्री/श्रीमती .... के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SUREKHA TIWARI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. RAJESH TIWARI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत वसीयत नामा**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
श्री विमल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (5)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./12161/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2024
रायपुर दिनांक : 14-06-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 12161
वार्ड का नाम-42- पं. सुन्दरलाल शर्मा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 42 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR565E00017** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **SHATRUHAN, BHARAT, LAXMAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHIVADAYAL CHANDRAKAR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SHATRUHAN LAL CHANDRAKAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE.. SHIVDAYAL CHANDRAKAR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
श्री विमल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (5)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./12185/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2024
रायपुर दिनांक : 14-06-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 12185
वार्ड का नाम- 68 - खूबचंद बघेल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 68 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR567H00219** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **RAJESH KUMAR SRIVASTAV** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LAXMI KUMAR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **MASAPALLI UMARANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **M. GURUNATH** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
श्री विमल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (5)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./12189/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2024
रायपुर दिनांक : 14-06-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 12189
वार्ड का नाम-67- भक्तमाता कर्मा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 67 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR567F00120** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **LAXMI YADAV** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DASHRATH YADAV** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **MEGHA RAHUL BAGHEL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAHUL BAGHEL** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
श्री विमल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (5)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./12198/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2024
रायपुर दिनांक : 14-06-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 12198
वार्ड का नाम- 40 - ठाकुर प्यारेलाल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 40 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR569L0485A** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **KAILASH BAI** पिता/पति, श्री/श्रीमती .... के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. PALLAVI CHOUBEY, 2. PRIYA VERMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **AMIT KUMAR CHOUBEY, SUDHIR KUMAR VERMA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत वसीयत नामा**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
श्री विमल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (5)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./12160/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2024
रायपुर दिनांक : 14-06-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 12160
वार्ड का नाम-66- वामनराव लाखे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 66 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR565F00318** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **MANDAKINI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHAILENDRA MISHRA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **ATUL KUMAR MISHRA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHAILENDRA MISHRA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ ..../ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
श्री विमल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (5)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./12188/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2024
रायपुर दिनांक : 14-06-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 12188
वार्ड का नाम- 67 - भक्तमाता कर्मा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 67 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR663G0076A** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **CHANDRA KANT KANKARIYA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **PARASMAL KANKARIYA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. RITIKA GARG, 2. JIWAN GARG** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. HUKUMCHAND GUPTA, BRIJ LAL** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
श्री विमल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (5)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर शनिवार 15 जून 2024

नगर पालिका अध्यक्ष और सीएमओ के बीच बढ़ी दूरी, नगर के आम लोग हुए पेयजल के लिए परेशान

कोण्डागांव। नगर पालिका क्षेत्र कोंडागांव अंतर्गत 22 वार्ड शामिल हैं। इन 22 में से अधिकांश वार्डों में पेयजल की समस्या का समाधान पानी के टैंकर के माध्यम से किया जाता है। लेकिन नगर पालिका अध्यक्ष और सीएमओ के बीच किसी मुद्दे को लेकर विवाद बढ़ गया है। विवाद के कारण नगर पालिका अध्यक्ष चेक पर दस्तखत नहीं कर रही हैं, जिसके कारण नगर पालिका के वाहनों में डीजल नहीं डाला गया है। नतीजतन, डीजल नहीं होने से वार्ड में पेयजल के पानी के टैंकर, सफाई के लिए जाने वाले कचरा ट्रैक्टर का संचालन नहीं हो रहा है। फलस्वरूप कई वार्डों में पेयजल की समस्या विकराल रूप ले चुकी है। नगर पालिका उपाध्यक्ष जसकेतु उसेंडी, पार्षद लक्ष्मी ध्रुव, पार्षद सोनामणि पोयाम, पार्षद तेज देवांगन, पार्षद ललित देवांगन व अन्य जन सुबह से ही नगर पालिका कार्यालय में नजर आए। यहां उपाध्यक्ष और पार्षदों ने पूछे जाने पर कारण बताया कि, इन दोनों कोंडागांव नगर के 22 में से 15 वार्ड में पेयजल की समस्या है। इस पेयजल की समस्या को पानी के टैंकर के माध्यम से सुलझाया जा रहा है। पानी के टैंकर प्रतिदिन सुबह अलग-अलग वार्ड पर सप्लाई करते हैं, क्योंकि गर्मी के कारण कहीं बोरवेल खराब है तो कहीं बोरवेल में जल स्तर नीचे चला गया है। उपाध्यक्ष और पार्षदों ने आगे बताया कि, लगभग तीन दिन से पेयजल की समस्या के लिए पहुंचने वाला पानी का टैंकर नगर पालिका कार्यालय से ना तो निकला हैं और ना ही वार्डों में पहुंचा है। जिस कारण वे स्थिति का जायजा लेने पालिका कार्यालय सुबह से ही पहुंचे हैं। इसी तरह नगर के सफाई के लिए चलने वाला कचरा वाहन भी पालिका से रवाना नहीं किया गया है।

डीजल नहीं होने से हो रही है समस्या

इस संबंध में पार्षदों के दल ने बताया कि, नगर पालिका के कर्मचारियों ने उन्हें ट्रैक्टर लेकर पानी सप्लाई और कचरा वाहन मोहल्ले में नहीं पहुंचने के बारे में बताया की वाहनों में डीजल ही नहीं है। जिस कारण से नगर पालिका से ट्रैक्टर व अन्य वाहन रवाना नहीं हुए हैं। डीजल नहीं होने के संबंध में पार्षदों के दल ने नगर पालिका के सीएमओ से भी चर्चा किया है।

सीएमओ ने कहा 9 जून को चेक में किया हस्ताक्षर, लेकिन अध्यक्ष ने हस्ताक्षर करने से किया इंकार - इस संबंध में नगर पालिका के सीएमओ राजेंद्र पात्रे ने जानकारी देते हुए बताया कि, पेट्रोल पंपों को नगर पालिका के माध्यम से भुगतान नहीं किया गया है। भुगतान नहीं होने से फ्यूल नहीं दिया जा रहा है। इस संबंध में उन्होंने करवाई करते हुए 9 जून को ही हस्ताक्षर कर दिया है, लेकिन नगर पालिका अध्यक्ष वर्षा यादव के माध्यम से चेक में हस्ताक्षर नहीं किया जा रहा है। जिस कारण से प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ी है।

नगपा अध्यक्ष वर्षा यादव के अलग ही हैं तर्क, नहीं मिला मानदेय इसलिए रोका चेक - इस पूरे मामले पर नगर पालिका अध्यक्ष वर्षा यादव के अलग ही तर्क हैं। वर्षा यादव का कहना है कि, जनप्रतिनिधि के तौर पर नगर के जनता ने हमें अध्यक्ष व पार्षद चुना है। अब हमारा कार्यकाल पूरा होने को भी आया है। इस 5 साल में कभी भी हमें मानदेय के लिए इतना परेशान नहीं होना पड़ा। नगर पालिका सीएमओ से इस संबंध में चर्चा करने पर उनका कहना है कि, शासन के समक्ष आवेदन करें और आंदोलन कर अपना मानदेय पास करवाए। ऐसे जवाब के चलते नाराज होकर अन्य पार्षदों की सहमति से चेक पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया गया है।

ग्राम केजंग में मोबाइल टावर जलाने वाला नक्सली हुआ गिरफ्तार

कोण्डागांव। ग्राम केजंग में मोबाइल टावर जलाने की घटना के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। यह घटना दिनांक 27 मार्च 2024 की रात को घटित हुई थी, जब अज्ञात नक्सली माओवादियों ने जीओ मोबाईल टॉवर को आग लगा दी थी जहां इस मामले की रिपोर्ट 28 मार्च 2024 को दर्ज कराई गई थी। कोंडागांव पुलिस अधीक्षक के निर्देशन पर जांच करने पर मुखबिर से सूचना मिली की ग्राम केजंग निवासी एक व्यक्ति ने इस घटना को अंजाम दिया है। जिसकी सुचना पर अधिकारी पुलिस मदार्पाल सतीश भार्गव के हमराह सीएएफ एवं जिला बल के टीम तैयार कर ग्राम केजंग की ओर रवाना हुए तब जंगल में एक व्यक्ति पुलिस को देख कर लुक छिप कर भाग रहा था जिसे घेराबंदी कर अपने अभिरक्षा में लेकर उक्त व्यक्ति का नाम पूछा जो अपना नाम रूकधर सोरी निवासी कजंग बताया जिसे मुखबिर कि सूचना से संतुष्ट होकर उक्त व्यक्ति को थाना बयानार लाये और 27 मार्च 2024 के घटना के संबंध में बारीकी से पूछताछ करने पर रूकघर सोरी बताया कि, वह उक्त घटना दिनांक को नक्सली कमाण्डर रैजू लोहार, विजय, चौता व अन्य नक्सलियों के साथ रात्रि में ग्राम केजंग के मोबाईल टॉवर को जनरेटर का डीजल निकाल कर जनरेटर को एवं पैनल को जला दिये बैनर बाधे और पर्चा फेके फिर ग्राम पेरमापाल तरफ निकल गये नक्सली आरोपी रूकधर सोरी द्वारा अपराध कबुल करने से विधिवत्त गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार कर पृथक से रिमार्ज्ड तैयार कर माननीय विशेष न्यायाधीश जिला कोंडागांव ले जाया गया।

तिल्दा नेवरा में आयोजित क्रिकेट टूनार्मेंट रीपर टीम ने मारी बाजी !

तिल्दा नेवरा। रायपुर जिला के तिल्दा नेवरा में आयोजित क्रिकेट टूनार्मेंट में ब्लेक रीपर टीम ने प्रथम पोजीशन हासिल किया । विगत 27 मई से शुभारंभ क्रिकेट टूनार्मेंट का समापन 11 जून? को हुआ। इस टूनार्मेंट में ब्लेक रीपर टीम ने बाजी मारी । वहीं दुसरा पोजीशन में सार्थक 11 ने जीत हासिल किया ,इसी तरह एम जी स्टार ने तीसरा पोजीशन बनाया वही चौथा पोजीशन में तिल्दा टाइटन्स ने जगह बनाया । इस टूनार्मेंट के फाइनल मैच पर हेमंत वर्मा को मैन आफ द मैच चुना गया,वहीं पंकज यादव के बेस्ट बल्लेबाज, युवराज को बेस्ट बॉलर एवं एम जे टीम के कौशल वर्मा को मैन आंफ द सीरीज से सम्मानित किया गया। आयोजित टूनार्मेंट में प्रथम पुरस्कार एक लाख रुपए विकास मित्र मंडल तिल्दा नेवरा के संस्थापक व नगरपालिका उपाध्यक्ष विकास सुखवानी के द्वारा विजेता टीम ,को दिया गया वहीं द्वितीय पुरस्कार पैंतालीस हजार रुपए घनश्याम अग्रवाल के द्वारा प्रदान किया गया इसी तरह तृतीय पुरस्कार पंद्रह हजार रुपए जयेश पैकरा , चतुर्थ पुरस्कार सात हजार रुपए पांच सौ रूपये भवेन्द्र गुरु के द्वारा प्रदान किया गया। इस टूनार्मेंट का आयोजन विकास मित्र मंडल एवं एम जी इवेट्स से जितू दूबे व उनकी टीम के तत्वावधान में किया गया।

हार के बाद पहुंचे ताम्रध्वज साहू ने कांग्रेस भवन में जताया आभार और की परिणामों की समीक्षा

महासमुंद। लोकसभा चुनाव के परिणाम के पश्चात महासमुंद छाया सांसद व पूर्व गृह मंत्री छत्तीसगढ़ शासन ताम्रध्वज साहू ने अपने चुनाव क्षेत्र के कार्यकताओं का आभार प्रदर्शन करने महासमुंद के राजीव कांग्रेस भवन में आज उनका आगमन हुआ जिसमें कांग्रेस के समस्त कार्यकताओं ने उनका स्वागत किया। तत्पश्चात सभी कार्यकताओं ने चुनाव के परिणाम के बारे में अपने-अपने विचार प्रस्तुत किया जिसमें विनोद सेवनलाल चंद्राकर, दाऊलाल चंद्राकर, कुलेश्वर ठाकुर, सती साहू,मनोज कांत साहू, मंदाकिनी साहू ने चुनाव संबंधी विषयों पर चर्चा करते हुए कार्यकताओं के समक्ष अपनी बातें रखी और अंतिम वक्त के रूप में छाया सांसद ताम्रध्वज साहू ने अपने उद्बोधन में कहा की हार जीत सिक्का का दो पहलू है। व्यक्ति कभी सौ प्रतिशत मेहनत करके भी सफलता रूपी फल की प्राप्ति नहीं कर पाता लेकिन मेहनत करने वाले को निराश नहीं होनी चाहिए क्योंकि मेहनत का फल कभी न कभी मिलता है मेहनत करना व्यक्ति को नहीं छोड़ना चाहिए और व्यक्ति को असफलता से सीखना चाहिए उसे निराश नहीं होना चाहिए जिस मेहनत से सभी साथियों ने लोकसभा चुनाव कार्य किया है उसके लिए सभी को धन्यवाद देते हुए आभार व्यक्त किया और कहा कि हमारा संबंध राजनीति का संबंध नहीं है हम सभी एक परिवार की तरह चुनाव लड़े इससे हम सभी एक परिवार बन गए हैं और हम सभी एक दूसरे के दुख सुख में परस्पर भाग लेंगे और साथ देंगे। आभार प्रदर्शन के उक्त कार्यक्रम में सर्व प्रथम ताम्रध्वज साहू जी, विनोद सेवनलाल चंद्राकर पूर्व विधायक, शहर अध्यक्ष खिलावन बघेल, ग्रामीण अध्यक्ष ढेलू निषाद, ग्रामीण अध्यक्ष खिलावन साहू, दाऊलाल चंद्राकर, लक्ष्मी देवांगन सती साहू, संजय शर्मा, प्रमोद चंद्राकर, मनोज कांत साहू, प्रकाश राव सकरकर, सोमेश दवे, सुनील शर्मा, प्रवीण चंद्राकर, प्रदीप चंद्राकर, गौरव चंद्राकर, रमेश साहू जी, लता कैलाश चंद्राकर, मंदाकिनी साहू, लक्ष्मी सोनी, श्वेता गुप्ता, माया पांडे, सोनम रामटेके, भूमिका ध्रुव, आरती महंती, अनवर हुसैन, कुलेश्वर ठाकुर, हुलाश गिरी गोस्वामी, गोविंद राम साहू, द्रोण चंद्राकर, जसबीर ढिल्लो, प्रहलाद ध्रुव, शकील खान, सुनील चंद्राकर, लखन चंद्राकर, मोती साहू, राजू साहू तुलसी साहू, कपिल साहू, मनोहर ठाकुर, जाकिर रजा, जीवन यादव, बसंत चंद्राकर, देवेश शर्मा, रमन सिंह, सुरेंद ठाकुर, सत्री महानंद, निखिल चंद्राकर, निर्मल जैन, टोमन सिंग कागजी, दिलीप चंद्राकर, बदल बघेल, सालिक राम पाटले, बिहारी पटेल, देवेश शर्मा संतोष धीवर, थान सिंग, तुलसी देवदास, कार्यक्रम का संचालन किया एवं आभार प्रदर्शन शहर अध्यक्ष खिलावन बघेल ने किया।

प्राकृतिक आपदा से मृत्यु पर 4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता जारी

कोंडागांव। कलेक्टर द्वारा राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के अंतर्गत प्राकृतिक आपदा पीड़ितों के एक प्रकरण में वारिसों को 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता अनुदान राशि प्रदान करने की स्वीकृति दी गयी है। जिसके अनुसार माकड़ी तहसील के ग्राम बालोण्ड निवासी प्रियान्शु मरकाम की गड्ढे के पानी में डूबने से मृत्यु होने पर माता हेमबती मरकाम, पिता झगडूराम को आर्थिक सहायता राशि प्रदान की जाएगी। जिसके तहत प्रकरण में चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करने की स्वीकृति दी गयी है। उक्त स्वीकृत आर्थिक सहायता राशि सम्बन्धित वारिसों के बैंक खाते में हस्तांतरित किये जाने के निर्देश सम्बन्धित तहसीलदार को दिया गया है।

कलेक्टर एवं एसपी ने सुदूर क्षेत्र तर्रेम का किया औचक निरीक्षण

बीजापुर। कलेक्टर अनुराग पाण्डेय एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. जितेन्द्र यादव ने बीजापुर जिले के अंतिम छोर पर बसे ग्राम पंचायत तर्रेम सहित उनके अर्न्तगत सुदूर गांवों का औचक निरीक्षण कर विकास कार्यों एवं सुरक्षा के संबंध में जानकारी ली। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नक्सल आपरेशन श्री वैभव बैंकर भी मौजूद थे। कलेक्टर एवं एसपी ने सिलगेर में निर्माणधीन पुल जो कि पूर्णता स्तर पर है उसे जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए। पुलिस थाना तर्रेम हेतु निर्माणधीन भवन का अवलोकन किया। ग्राम पंचायत तर्रेम में आयोजित आधार शिविर पहुंचकर कलेक्टर ने ग्रामीणों को आधार कार्ड की उपयोगिता को समझाया शासकीय योजनाओं से लाभान्वित होने के लिए आधार कार्ड एवं अन्य दस्तावेजों के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। उक्त शिविर में ग्राम पंचायत तर्रेम के अलावा छुटवाही, चिन्नागेल्लूर, चिपुरभट्टी, पेद्दागेल्लूर सहित गुण्डम के ग्रामीण महिला, पुरूष, युवा भारी संख्या में उपस्थित थे। शिविर में उपस्थित सचिव, पटवारी एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को जमीनी स्तर पर महतारी वंदन योजना सहित अन्य हितग्राहीमूलक अन्य सभी योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों को देकर योजनाओं से लाभान्वित करने के लिए प्रेरित करने का निर्देश दिया। बीते दिनों समीप के गांव में बिजली गिरने से हुई पशुओं की क्षति का प्रकरण जल्द तैयार करने के निर्देश मौके पर उपस्थित राजस्व विभाग के अधिकारियों को दिए। राजस्व अधिकारियों द्वारा मुआवजा हेतु दस्तावेज प्राप्त किये जाने की जानकारी दी गई। कलेक्टर ने ग्रामणों को बताया कि क्षतिपूर्ति की राशि प्रत्येक जानवर के लिए अलग-अलग निर्धारित है बैल के लिए 32 हजार रूपए, गाय एंव भैंस के लिए 37500 रूपए, बकरी के लिए 4 हजार एवं बछड़ा के लिए 20 हजार रूपए शासन द्वारा निर्धारित की गई है। क्षतिपूर्ति की राशि प्राप्त होने पर पीड़ित ग्रामीण को पशुधन खरीदकर पशुपालन करने के लिए प्रेरित किया।

बलौदाबाजार आगजनी घटना की निंदा अभिभाषक संघ कसडोल ने भी किया, ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग

लवन। विगत दिनों 10 जून को बलौदाबाजार मुख्यालय कलेक्टोरेट में हुई आगजनी, तोड़फोड़ एवं हिंसा की घटना से आमजनमानस से लेकर जनप्रतिनिधियों सहित अधिकारी कर्मचारी चिंतित है।वहीं घटना को लेकर अभिभाषक(अधिवक्ता)संघ कसडोल में भी रोष व्याप्त है।अभिभाषक संघ कसडोल ने 12 जून को प्रस्ताव पारित कर घटना की निंदा करते हुए असामाजिक तत्वों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने की मांग छत्तीसगढ़ शासन से किये हैं।अभिभाषक संघ कसडोल ने छत्तीसगढ़ शासन के नाम पर एस डी एम कसडोल को ज्ञापन सौंपा गया है।इस अवसर पर अभिभाषक संघ कसडोल अध्यक्ष बलराम साहू,सरंक्षक भास्कर साहू, उपाध्यक्ष देवचरण पटेल, सचिव उदित निषाद,अन्य अधिवक्ताओ में लक्ष्मण कोसले, एम के नायक, ओ पी खरे, सुशील साहू, प्रमोद पटेल, संतराम साहू, मोहन महेंद्र, किशोर साहू, विनोद बंजारे, राकेश कैवर्त,भारत कश्यप, दामोदर वैष्णव,कांशी कैवर्त, विजय साहू, भारती कन्नौजे सहित तमाम अधिवक्ताओ की उपस्थिति रहा।

डॉ. भूपेन्द्र गिलहरे शिकसा शिक्षक सम्मान से सम्मानित

लवन। शिक्षक कला व साहित्य अकादमी छत्तीसगढ़ द्वारा राजधानी रायपुर के वृन्दावन हाल में आयोजित शिकसा शपथ ग्रहण व सम्मान समारोह में बलौदाबाज़ार नगर के पंडित लक्ष्मी प्रसाद तिवारी शासकीय कन्या विद्यालय में कार्यरत वरिष्ठ व्याख्याता डॉ भूपेन्द्र गिलहरे को शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार शिक्षण कार्य में उत्कृष्ट योगदान के लिए ÷ शिकसा शिक्षक सम्मान ÷ से छ ग राज्य के उप मुख्यमंत्री अरूण साव एवं विजय बघेल सांसद दुर्ग के करकमलों सम्मानित किया गया। डॉ भूपेन्द्र गिलहरे को इस उपलब्धि के लिए अकादमी के संस्थापक व संयोजक डॉ शिवनारायण देवांगन, कौशलेंद्र पटेल प्रदेश अध्यक्ष, बोधी राम साहू महासचिव, महेत्तर देवांगन कोषाध्यक्ष, प्रकाश ठाकुर, महेश शर्मा, श्री टी एन बंजारे, धनेश्वरी बंजारे, बैसाखी गिलहरे, सी एल बंजारे, सुशीला गिलहरे, एड प्रवीण इंदू गिलहरे, दीपक दीसी गिलहरे, इंजी शशिभूषण, डा योगिता, इंजी भावेश, सुकचंद त्रिवेणी जांगड़े, राजेन्द्र प्रमिला चतुवेदी,आर डी निराला, संतोष बघेल, जशनारायण गायकवाड़, महेश ढीढी, डा राज बंजारे, पी के घृतलहरे, डा आर एस जोशी, विनोद चेलक, पी एल टंडन, लक्ष्मीकांत गायकवाड़, बलराम डहरिया, अनिल चेलक, श्याम नारंग, एस एन गेडरे, ईश्वरी गेडरे, प्रमोद कुर्रे, बी एल कुर्रे, दुजराम चतुवेदी, दरसू बघेल, एच एस जोशी, प्रहलाद जांगड़े आनंद कुर्रे, धर्मेन्द्र घृतलहरे, फुलसिंग भारती सहित अनेक लोगों ने बधाई एवं शुभकामनाएं संदेश दिए हैं।

एकलव्य अतिथि शिक्षकों ने सांसद महेश कश्यप से किया मुलाकात

कोण्डागांव। एकलव्य अतिथि शिक्षक संघ के शिक्षकों ने 12 जून को पहली बार कोंडागांव पहुंचे सांसद महेश कश्यप से मुलाकात किया। इस दौरान उन्होंने महेश कश्यप के समक्ष अचानक बेरोजगार हो जाने की समस्या से संबंधित चर्चा किया। इस संबंध में सांसद को ज्ञापन भी सौंपा गया है। दरअसल एकलव्य विद्यालय में सभी पदों के लिए केंद्र सरकार के माध्यम से नियमित पदों पर भर्तियां हो चुकी हैं, जिसके चलते वर्तमान में कार्यरत सभी अतिथि शिक्षक व अन्य कर्मचारी एका एक बेरोजगार हो गए हैं। सांसद बनने के बाद पहली बार कोंडागांव पहुंचे महेश कश्यप से एकलव्य अतिथि शिक्षकों ने स्थानीय गायत्री मंदिर में मुलाकात किया और उन्हें ज्ञापन भी सौंपा इस दौरान अतिथि शिक्षकों ने जानकारी देते हुए बताया कि, पूरे प्रदेश में एकलव्य विद्यालय के 700 अतिथि शिक्षक लगभग 10 वर्षों से अध्यापन का कार्य निरंतर कर रहे हैं। अब केंद्र सरकार के माध्यम से उनके पद में नियमित शिक्षकों की भर्ती की गई है। नियमित शिक्षकों की भर्ती होने से वे सभी अचानक बेरोजगार हो गए हैं। 700 अतिथि शिक्षक एवं उन पर आश्रित परिवार के समक्ष अब बेरोजगारी की समस्या उत्पन्न हो गई है। उन्होंने यह भी बताया कि, 700 शिक्षकों में कई शिक्षक ऐसे भी हैं जो लगातार 10 वर्षों से अतिथि शिक्षक के तौर पर एकलव्य विद्यालय में अध्यापन का कार्य कर रहे थे।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

धर्म-कर्म

रायपुर शनिवार 15 जून 2024

...तो घर में जरूर रखें बांसुरी

भगवान श्रीकृष्ण को बांसुरी बहुत प्रिय है। बांसुरी कृष्णजी को प्रिय होने के कारण उसको प्रकृति का अनुपम वरदान है। ज्योतिष के अनुसार बांसुरी का इस्तेमाल अगर सोच समझकर किया जाए तो यह हमें कई प्रकार के दोषों से बचाती है। वास्तु और फेंगशुई के अनुसार, बांसुरी को अगर घर, दुकान में रखा जाए है तो इसके कई लाभ मिलते हैं। बांसुरी से होने वाले लाभ कौन-कौन से है, आइए जानते है।

- फेंगशुई विद्या के अनुसार, बांसुरी घर में रखना बहुत शुभ माना गया है। यह उन्नति और प्रगति दोनों देने में बहुत सहायक है। इस प्रकार बांसुरी प्रकृति का एक अनुपम वरदान है।
- बांसुरी बांस से बनी होती है तथा इसके पौधे को दिव्य माना जाता है। अतः घर में बांसुरी का प्रयोग करके कई तरह से लाभ उठाया जा सकता है।
- बांसुरी के संबंध में एक धार्मिक मान्यता है कि जब बांसुरी को हाथ में लेकर हिलाया जाता है तो बुरी आत्माएं दूर हो जाती हैं।
- जब बांसुरी को बजाया जाता है तो ऐसी मान्यता है कि घरों में शुभ चुम्बकीय प्रवाह का प्रवेश होता है।
- यदि सोच-समझकर इसका उपयोग किया जाए तो दोषों का बिना किसी तोड़-फोड़ के निवारण कर अशुभ फलों से बचा जा सकता है।
- ऐसा माना जाता है कि जो व्यक्ति अपनी नौकरी से परेशान रहता हैं, बांसुरी उसकी सारी मुश्किलें आसान कर सकता है।
- जो व्यक्ति काफी मेहनत के बाद भी अपने बिजनेस में सफलता हासिल नहीं कर पाते उनके लिए बांस से बनी यह बांसुरी उन्नति और समृद्धि दोनों देने में सक्षम है। अतः उन्हें भगवान श्रीकृष्ण का पूजन करते हुए अपने दुकान की छत पर दो बांसुरी चिपकानी चाहिए या टांग देनी चाहिए। यह बहुत ही सरल उपाय है जो आपको अपने बिजनेस में उन्नति के शिखर पर ले जाएगा।

सूर्यास्त के बाद झाड़ू-पौंछा न करें

धार्मिक गंथों में ऐसी कई सार्वभौमिक सत्य बातें बताई गई हैं, जिनका अनुसरण कर हम अपना सौभाग्य लिख सकते हैं या प्रतिकूल ग्रहों को अनुकूल बना सकते हैं। आइए जानें ऐसी पांच चीजों के बारे में जो हमारे अच्छे व सुखद भविष्य की भी नींव रखती हैं।

थाली में न छोडें झूठा अन्न

शास्त्रानुसार कभी भी खाने की प्लेट में जूठा नहीं छोडना चाहिए और न ही कभी जूठे बर्तनों को यूं ही पढ़े रहने देना चाहिए। रात को सोने से पहले सभी जूठे बर्तन धो लेने चाहिए अन्यथा इससे घर में अशांति का वातावरण बनना शुरु हो जाएगा जो अंततः घर के दुर्भाग्य में बदल जाएगा।

बैड को रखें नीट एंड क्लीन

शास्त्रों के अनुसार बेडरूम सुव्यवस्थित तथा साफ-सुथरा होना चाहिए। खास तौर पर बिस्तर पर बिछी हुई चादर बिल्कुल साफ होनी चाहिए साथ ही कमरे में कचरा नहीं फैला होना चाहिए। ऐसा नहीं करने पर उस बिस्तर पर सोने वाले का सौभाग्य भी दुर्भाग्य में बदल जाता है।

जगह-जगह थूकना लाता है दुर्भाग्य

कहीं भी थूक देना (विशेष तौर पर घर में, देव मंदिरों में, सार्वजनिक स्थानों पर) शास्त्रों में पूरी तरह गलत बताया गया है। इससे घर की लक्ष्मी रूठ कर चली जाती है। हमें यथासंभव अपने आसपास साफ-सफाई रखनी चाहिए। माना जाता है कि ऐसा करने से घर की सुख-शांति खत्म हो जाती है और कंगाली घर में प्रवेश कर जाती है।

बाथरूम को रखें साफ-सुथरा

बाथरुम को चन्द्रमा का स्थान माना गया है। जिन घरों में बाथरूम गंदा रहता है या अस्त-व्यस्त पड़ा रहता है, उन घरों के स्वामी की कुंडली में चन्द्रमा पर ग्रहण लग जाता है जिससे उस घर में रहने वालों की मानसिक शांति समाप्त हो जाती है तथा वहां धन की कमी होने लगती है।

पूजा में भगवान श्रीगणेश जी का है सर्वश्रेष्ठ स्थान

हिन्दू धर्म शास्त्रों के अनुसार, किसी भी शुभ काम के करने से पहले गणेश पूजन आवश्यक हैं। इससे प्रसन्न होकर गणेश जी सारे काम निर्विघ्न कर देते हैं। हिन्दू संस्कृति और पूजा में भगवान श्रीगणेश जी को सर्वश्रेष्ठ स्थान दिया गया है। प्रत्येक शुभ कार्य में सबसे पहले भगवान गणेश की ही पूजा की जाती अनिवार्य बताई गयी है। देवता भी अपने कार्यों की बिना किसी विघ्न से पूरा करने के लिए गणेश जी की अर्चना सबसे पहले करते हैं।

ऐसा कहा जाता है कि गणेश जी की पूजा में दूर्वा का सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण मानी जाती है और साथ ही यह मान्यता है कि गणपति को दूर्वा चढ़ाने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती हैं। ऐसे में दूर्वा को पूजन परंपरा से जोडकर उन्होंने दुर्लभ वनस्पतियों को बचाने का संदेश दिया है क्योंकि इससे हम धरती की रक्षा कर अपने लिए एक स्वच्छ वातावरण का निर्माण कर सकेंगे।

ऐसे में कहा जाता है गणपति की साधना-अराधना के लिए बताए गए 108 नाम के बारे में जिनके जप करने से भीतरी आध्यात्मिक शक्ति का विकास होता है। यह भी माना जाता है कि श्री गणेश जी के 21 नाम वालें मंत्रों और 21 पेड़ों के पत्तों को अर्पित करने पर उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है।

मान्यता है कि पूजन की इस परंपरा के पीछे जीवनदायक प्राण वायु प्रदान करने वाले वृक्षों को न काटने का गूढ़ रहस्य छिपाया गया है। वहीं इस बात को कहने का तात्पर्य गणपति की साधना-अराधना से जुड़े इन वृक्षों संरक्षण किया जाना चाहिए। श्री गणेश नाम वृक्षों के नाम आइए जानते हैं।

इन मंत्रों का करें जाप

ओम सुमुखाय नमः शमी पत्र।
ओम गणाधीशाय नमः भृंगराज पत्र।
ओम उमापुत्राय नमः बेल पत्र।
ओम गजामुखाय नमः दूर्वापत्र।
ओम लम्बोदराय नमः बेर का पत्र।
ओम हर पुत्राय नमः धतूरे का पत्र।
ओम शूर्पकर्णाय नमः तुलसी के पत्र।
ओम वक्रतुण्डाय नमः सेम का पत्र।
ओम गुहाग्रजाय नमः अपामार्ग पत्र।
ओम एकदंताय नमः भटकटैया पत्र।
ओम हेरम्बाय नमः सिंदूर पत्र।
ओम चतुर्होत्रे नमः तेज पत्र।
ओम सर्वेश्वराय नमः अगस्त पत्र।
ओम विकटाय नमः कनेर पत्र।
ओम हेमतुण्डाय नमः केला पत्र।
ओम विनायकायनमः आक पत्र।
ओम कपिलाय नमः अर्जन पत्र।
ओम वटवे नमः देवरारू पत्र।
ओम भालचंद्रय नमः महुए के पत्र।
ओम सुराग्रजाय नमः गांधारी पत्र।
ओम सिद्धि विनायक नमः केतकी पत्र।

परिवार और व्यक्ति के दुख दूर करते हैं यह सरल उपाय

बुधवार के दिन घर में सफेद रंग के गणपति की स्थापना करने से समस्त प्रकार की तंत्र शक्ति का नाश होता है।

धन प्राप्ति के लिए बुधवार के दिन गणेश को घी और गुड़ का भोग लगाएं। थोड़ी देर बाद घी व गुड़ गाय को खिला दें। ये उपाय करने से धन संबंधी समस्या का निदान हो जाता है।

परिवार में कलह कलेश हो तो बुधवार के दिन दूर्वा के गणेश जी की प्रतिकात्मक मूर्ति बनवाएं। इसे अपने घर के देवालय में स्थापित करें और प्रतिदिन इसकी विधि-विधान से पूजा करें। घर के मुख्य दरवाजे पर गणेशजी की प्रतिमा लगाने से घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है। कोई भी नकारात्मक शक्ति घर में प्रवेश नहीं कर पाती है।

तुलसी के पौधे को कभी भी दक्षिण में न लगाएं

हर व्यक्ति के जीवन में शांति और सम्पन्नता का होना जरूरी है और सम्पन्नता के लिए लक्ष्मी का प्रसन्न होना बेहद आवश्यतक है। वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ खास बातें नहीं की जाएं तो लक्ष्मी की कृपा और आशीर्वाद हमेशा बना रहता है।

- वास्तु शास्त्र के अनुसार घर के दरवाजों को कभी भी ना खटखटाएं। घर के गेट पर बैल लगाएं या आवाज देकर मालिक को बुलाएं। गेटों को खटखटाने और बजाने से वास्तु दोष बढता है। ऐसे में लक्ष्मी वहां ज्यादा दिनों तक टिकती नहीं है।
- वास्तु के अनुसार सर्वप्रिय देव श्रीगणेश की मालिक द्वारा आराधना जरूरी होती है। यदि घर का मालिक सुबह उठकर श्रीगणेशजी का ध्यान कर पूजा-अर्चना करता है तो घर के वास्तु दोष तुरंत दूर होते हैं।
- वास्तु के अनुसार तुलसी के पौधे को कभी भी दक्षिण में न लगाएं, इससे जीवन में अशुभता आने लगती है। तुलसी जी के पौधे को पूर्व या उत्तर में लगाना उचित रहता है।
- गंदे कपडे पहनने से भी वास्तु दोषों में बढोतरी होती है। कोशिश करें कि दो दिन के अलावा तीसरे दिन भी पुराने कपडे नहीं पहनें।
- घर की सफाई रात को करना भी वास्तु के अनुसार ठीक नहीं है। कहते हैं कि शाम को जो धूल एकत्रित होती है, वही लक्ष्मी जी की कृपा होती है।

सकारात्मक ऊर्जा और तन-मन की शांति के लिए..

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार अच्छी सेहत और प्रसन्न तन-मन के लिए कुछ उपयोगी टिप्स दैनिक व्यवहार में लाकर आप एक सुंदर एवं स्वस्थ जीवन जी सकते हैं।

- सूर्योदय से पूर्व उठने की आदत डालें, इससे सकारात्मक ऊर्जा की प्राप्ति होती है जो तन, मन और मस्तिष्क को शांत करती है।
- प्रातः काल आसपास के खुले स्थान, पार्क या भवन की छत पर जाकर पूर्व दिशा की ओर मुंह करके थोड़ा व्यायाम करें और लंबी सांस लें। इससे प्रकृति में सुबह के समय व्याप्त सकारात्मक ऊर्जा यानी आक्सीजन का भरपूर उपयोग करके आप शरीर को स्वस्थ रख सकते हैं।
- अच्छे स्वास्थ्य के लिए भोजन करते समय आपका मुख सदा पूर्व या उत्तर में रहे। कभी भी पलंग पर बैठकर, खड़े होकर या आड़े-तिरछे बैठकर भोजन न करें।
- भोजन या तो भूमि पर आसन बिछाकर करें या फिर डायनिंग टेबल का प्रयोग करें। विधिवत भोजन करने से शरीर चुस्त दुरूस्त रहता है।
- खाना खाते वक्त टेलीविजन नहीं देखें, इससे उत्पन्न होने वाली नकारात्मक ऊर्जा के प्रभाव से सभी ज्ञानेंद्रियों पर विपरीत असर पड़ता है। इससे पेट की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। अतः भोजन करते समय टेलीविजन देखने की बजाए पारिवारिक दिनचर्या पर गपशप करें।
- दवाइयों को डायनिंग टेबल पर नहीं रखें, ये नकारात्मक ऊर्जा की प्रतीक होती है। ऐसा करके हम दवाइयों को भोजन का हिस्सा बनाने का निमंत्रण देते हैं, ऐसा नहीं करें।
- यदि घर में बच्चों या वृद्धों के लिए कुछ टॉनिक आदि का प्रयोग कर रहे हों, तो ऐसे टॉनिक की शीशियां व डिब्बे घर की पूर्व दिशा में बनी आलमारियों में रखें और किसी बीमारी से संबंधित दवाइयों को दक्षिण या पश्चिम में रखें।
- भोजन पूर्व की तरफ मुंह करके ही बनाएं। यह सेहत के लिए उत्तम और सुखदायी होता है। रसोईघर आग्नेय कोण में ही बनाएं। रसोईघर की व्यवस्था उत्तर-पूर्व में न करें। यह धन और स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है। ज्वलनशील पदार्थों को भी दक्षिण-पूर्व में रखें।
- रसोईघर की दीवारों का रंग हल्का पीला, नारंगी या हल्का लाल रखें। जिससे भोजन सुप्पाच्य होकर भूख बढ़ाने में सहायक साबित होगा। जब एक साथ मिलकर सभी खाना खा रहे हों, तो घर के मुखिया का मुंह पूर्व में तथा अन्य सदस्यों का मुंह उत्तर या पश्चिम में होना चाहिए। दक्षिणामुख कभी नहीं बैठें। इससे पाचन क्रिया ठीक रहती है। हाथ आदि साफ कर प्रसन्नतापूर्वक खाने से आरोग्यता बढ़ती है।

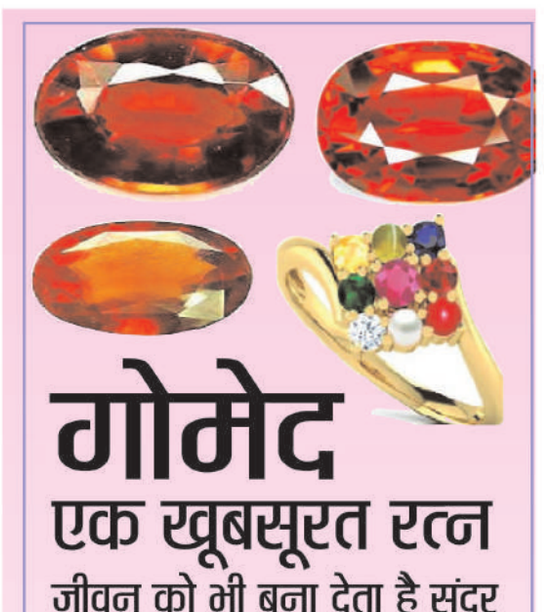

गोमेद
एक खूबसूरत रत्न
जीवन को भी बना देता है सुंदर

ज्योतिष विज्ञान में गोमेद को एक खूबसूरत रत्न माना गया है, जो जीवन को सुंदर बना देता है। गोमेद सबसे लाभदायक रत्नों में से एक माना गया है। गोमेद राहु ग्रह से संबंधित रत्न माना गया है। ज्योतिष शास्त्र में राहु को पाप ग्रह माना जाता है अतः ज्योतिषाचार्यों द्वारा राहु के दुष्प्रभावों को समाप्त करने के लिए गोमेद रत्न धारण करने की सलाह दी जाती है। ध्यान रखने योग्य यह है कि गोमेद के साथ माणिक्य, मूंगा और पुखराज नहीं पहनना चाहिए।

यह रत्न जहां रुके कार्यों पूर्ण करने का कार्य करता हैं, वहीं जीवन के हर क्षेत्र में सफलता देता है। ज्योतिषियों की मानें तो जन्म कुंडली की दशाओं को जानकर ही इस रत्न को धारण करना उचित रहता है। इतना ही नहीं गोमेद ब्लड कैंसर, कम सुनाई देना, आंखों तथा जोड़ों के दर्द जैसी बीमारियों से भी निजात दिलाता है। गोमेद एक चमकदार और अपारदर्शी रत्न है। यह गहरे भूरे अथवा लाल रंग की तरह होता है। इसे गारनेट समूह का रत्न माना जाता है। यह दुनिया में कई स्थानों पर पाया जाता है। गोमेद मुख्य रूप से यह भारत, श्रीलंका और ब्राजील में आसानी से मिल जाता है तथा साउथ अफीका, थाईलैंड और ऑस्ट्रेलिया में भी यह रत्न पाया जाता है। राहु ग्रह से संबंधित इस रत्न को हिन्दी में गोमेद और अंग्रेजी में हैसोनाइट स्टोन कहते हैं। गोमेद रत्न 6 रत्ती से कम का धारण नहीं करना चाहिए। यह रत्न शनि की होरा में शुक्ल पक्ष के किसी भी शनिवार को पहनना अतिशुभ माना गया है। यदि शनिवार के दिन शतभिषा, स्वाती या आर्द्रा नक्षत्र में इसे धारण किया जाए तो गोमेद की शुभता अधिक बढ़ जाती है।

रत्न धारण करने की विधि

गोमेद रत्न की अंगूठी को सबसे पहले गंगा जल, दूध, शहद और मिश्री के घोल में डालकर एक रात उसमें ही रहने दें। तत्पश्चात ऊँ रां राहवे नमः मंत्र का 108 बार जाप करके कनिष्का में धारण करना चाहिए।

किस अंगुली में धारण करें

इसे चांदी या अष्टधातु की अंगूठी में जड़वा कर पहनना उचित रहता है। राहु का रत्न गोमेद को कनिष्का ऊंगली में पहनना चाहिए, क्योंकि मिथुन राशि में उच्च का होने से बुध की अंगुली कनिष्का में पहनना शुभ फलदायी रहता है। यह राहु के अशुभ प्रभाव को दूर करता है। गोमेद धारण करने से राहु की दशा-महादशा को दुष्प्रभावों से निजात मिलती है। यह रत्न शत्रुओं पर विजय दिलाने वाला भी माना जाता है, इतना ही नहीं इसे धारण करने से सकारात्मक विचार, एकाग्रता और आत्मविश्वास भी बढ़ता है।

कौन धारण करें

इसे राजनीतिज्ञ, जासूसी, जुआ, सट्टा खेलने वाले तथा तंत्र या मंत्र विद्या से जुड़े व्यक्ति पहनते हैं। कौन ना पहने ये रत्न-जिस व्यक्ति की कुंडली में राहु 5वें, 8वें 9वें 11वें या 12वें स्थान पर हो उन्हें गोमेद धारण नहीं करना चाहिए। इससे नुकसान होने की संभावना बढ़ जाती है तथा जिनका व्यापार-व्यवसाय राहु ग्रह से संबंधित हो उन्हें भी यह रत्न नहीं पहनना चाहिए।

पीतल का शेर देगा आपको आत्मविश्वास...

घर का सामान आपके जीवन, धन-संपत्ति और खुशहाली के साथ-साथ आपके व्यक्तित्व पर भी गहरा प्रभाव डालता है। वास्तुशास्त्र के कुछ मौलिक सिद्धांत तो लगभग सभी लोगों को मालूम होते भी हैं, मसलन दक्षिण दिशा में मुख्य द्वार नहीं बनाना चाहिए, उत्तर दिशा में तिजोरी रखना और घर में गंदगी इकट्ठी ना होने देना...वगैरह-वगैरह।

लेकिन कुछ वास्तु टिप्स ऐसे होते हैं, जो आपके व्यक्तित्व पर भी बहुत गहर असर छोड़ते हैं। अगर आप उदास रहते हैं या फिर आपको लगता है कि आत्मविश्वास की कमी के कारण आप अपने उद्देश्य को प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं या आपको अन्य लोगों के समक्ष अपनी बात रखने में हिचक होती है तो हम आपको एक ऐसा वास्तु उपाय बताने जा रहे हैं जो आपके लिए बेहद कारगर सिद्ध हो सकता है। पीतल धातु से बना शेर, ना सिर्फ आपके घर की शोभा को बढ़ाता है बल्कि आपके भीतर छिपी हीन भावना या आत्मविश्वास की कमी को भी समाप्त करता है।

वास्तुशास्त्र के विशेषज्ञों के अनुसार अगर पीतल धातु से बने शेर को घर की पूर्वी दिशा में स्थापित करते हैं तो यह आपके सेल्फ कॉफिडेंस में गजब का उछाल लाता है। बस एक बात का ध्यान रखें कि जब आप शेर को अपने घर में स्थापित करें तो उसका मुख घर के केन्द्र में होना चाहिए।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dvpnews.in
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, शनिवार 15 जून 2024

उरकुरा रेलवे समपार फाटक पर मरम्मत के लिये सड़क यातायात बंद रहेगा

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर रेल मंडल के उरकुरा9 सरोना के बाय पास लाइन में समपार फाटक क्रमांक 415 (किमी.824/41-43) में दिनांक 17 जून 2024 को सुबह 08:00 बजे से 19 जून 2024 को सुबह 08:00 बजे तक आवश्यक मरम्मत कार्य के कारण समपार फाटक से वाहनों का आवागमन बंद रहेगा। समपार फाटक की मरम्मत करना रेल यातायात व यात्रियों की संरक्षा की दृष्टि से अति आवश्यक हैं।

संक्षिप्त समाचार

अखिल जैन को मिला उन्नत कृषक सम्मान

रायपुर (विश्व परिवार)। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय आम महोत्सव में मनोहर गौशाला खैरागढ़ के मैनेजिंग ट्रस्टी अखिल जैन (पदम डाकलिया) को उन्नत कृषक सम्मान दिया गया। यह सम्मान कृषि मंत्री रामविचार नेताम, धरसींवा विधायक अनुज शर्मा, रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू, कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल, डायरेक्टर ऑफ रिसर्च डॉ. विवेक त्रिपाठी ने दिया। बता दें कि अखिल जैन द्वारा अब तक 5 लाख से भी अधिक किसानों को फसल अमृत फर्टिलाइजर बनाने का निशुल्क प्रशिक्षण दिया जा चुका है। उनका मानना है कि भारत के पूरे 17 करोड़ किसानों को इसका प्रशिक्षण दिया जाए, ताकि आर्गनिकी खेती को बढ़ावा दिया जा सके। धरती को जहर मुक्त बनाने के संकल्प के साथ जैन काम कर रहे हैं। इस अवसर पर प्रवीण पारख, महेंद्र लोढ़ा, श्री केडिया, वीएनआर सीड के श्री चावड़ा, दीपक पांडे सहित वैज्ञानिक व किसान मौजूद थे।

रायपुर मंडल में टिकट चेकिंग अभियान के दौरान लगभग 86,740 रुपए का राजस्व हुआ प्राप्त

रायपुर-भाटापारा-रायपुर के मध्य मजिस्ट्रेट टिकट चेकिंग

रायपुर (विश्व परिवार)। यात्रियों को टिकट लेकर यात्रा करने हेतु जागरूक करने के उद्देश्य से 13 जून, 2024 को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर मंडल के स्टेशनों पर माननीय रेलवे मजिस्ट्रेट श्री आनंद कुमार सिंह के साथ में टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान में रायपुर रेल मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अवधेश कुमार त्रिवेदी के निर्देश पर सहायक वाणिज्य प्रबंधक श्री अविनाश कुमार आनंद के साथ में 05 वाणिज्य निरीक्षक, 21 टिकट चेकिंग स्टाफ, शामिल हुए साथ ही 03 रेलवे सुरक्षा बल के जवान एवं 04 जीआरपी स्टाफ मजिस्ट्रेट कार्यालय के स्टाफ भी शामिल थे। इस टिकट चेकिंग अभियान में गाड़ी संख्या 13287 दुर्ग-आरा साउथ बिहार एक्सप्रेस में रायपुर से भाटापारा के मध्य एवं गाड़ी संख्या 12810 हावड़ा- मुंबई मेल में भाटापारा से रायपुर एवं रायपुर स्टेशन पर चेकिंग की गई। इस मजिस्ट्रेट टिकट चेकिंग अभियान में कुल 165 मामलों से 86740/- रुपये बतौर जुर्माना राजस्व प्राप्त हुआ। रेल प्रशासन यात्रियों से आग्रह करता है कि वे यात्रा हेतु उचित टिकट एवं रेल परिसर में प्रवेश करने के पहले प्लेटफॉर्म टिकट अवश्य खरीदें। रेलगाड़ी एवं रेल परिसर को साफ सुथरा रखने में भी रेल प्रशासन को सहयोग प्रदान करें।

प्रेसक्लब डोंगरगढ़ के वर्तमान कार्यकाल के पदाधिकारीयो के अंतिम बैठक हुई सम्पन्न

डोंगरगढ़ (विश्व परिवार)। धर्मनगरी डोंगरगढ़ की पंजीकृत संस्था प्रेसक्लब डोंगरगढ़ का बैठक संपन्न हुआ है।उपरोक्त जानकारी देते हुए वरिष्ठ पत्रकार किशोर परमार ने प्रेस नोट जारी करके बताया कि 3 वर्ष के चुने गए पदाधिकारीयो का कार्यकाल अब समाप्त हो गया है पदाधिकारियों का अंतिम बैठक रहा रेलवे स्टेशन समीप जलाराम रेस्टोरेंट में कोर कमेटी की बैठक ही बतादे कि वर्तमान पदाधिकारियों का कार्यकाल नियमत: समाप्त हो गया है जिसे लेकर विशेष बैठक आयोजित की गयी थी।बैठक में सभी पदाधिकारियों और सदस्यों द्वारा महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए जिसमे प्रेसक्लब डोंगरगढ़ में सदस्यता खोले जाने तथा आगमी समय मे प्रेसक्लब डोंगरगढ़ के पदाधिकारियों हेतु चुनाव कराना आदिं निर्णय लिए गए। आगे के समस्त जानकारी प्रेस क्लब डोंगरगढ़ के निर्वाचन अधिकारी के द्वारा प्रेषित किया जाएगा उपरोक्त बैठक में तत्कालीन अध्यक्ष सोन कुमार सिन्हा, सचिव अभिलास देवांगन, उपाध्यक्ष किशोर परमार, कोसाध्यक्ष प्रणय अग्रवाल, कामेश साहू, सोमेश्वर सिन्हा, गोवर्धन सिंह, सप्रेम जैन, निर्मल महोबिया, तिलक मण्डावी, राजू मस्करे, दिनेश निसादनिमिष अग्रवाल, भागवत नामदेव, सहित अन्य सहयोगियों की उपस्थिति रही

रेलवे कर्मचारी हित में द.पू.म. रेलवे के रायपुर मंडल व यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा एक समझौता ज्ञापन (MOU) किया गया

रायपुर (विश्व परिवार)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, के रायपुर मंडल व यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा दिनांक 14 जून को मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के कांफ्रेंस हॉल में एक समझौता ज्ञापन (MOU) पर हस्ताक्षर किये गये। कार्यक्रम में मंडल रेल प्रबंधक/रायपुर श्री संजीव कुमार, अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री राजेन्द्र कुमार साहू, मंडल कार्मिक अधिकारी/ प्रभारी श्री राहुल गर्ग तथा यूनियन बैंक ऑफ इंडिया से फील्ड जनरल मैनेजर, भोपाल जोन श्री बिरजा प्रसाद दास, रिजनल हेड, रायपुर श्री अनुज कुमार सिंह, व अन्य पदाधिकारीगण मौजूद थे।

कार्यक्रम के प्रारंभ में श्री बिरजा प्रसाद दास द्वारा इस समझौता ज्ञापन (MOU) पर विस्तार से जानकारी दी गई तथा मंडल रेल प्रबंधक/रायपुर श्री संजीव कुमार द्वारा इस समझौता ज्ञापन से रायपुर मंडल के कर्मचारियों को होने वाले लाभ पर प्रकाश डाला तथा कर्मचारियों को समझौता ज्ञापन ((MOU) के लाभ पहुचाने के लिए यूनियन व एसोसिएशन को परामर्श भी दिया। इस समझौता ज्ञापन के माध्यम से यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में रायपुर मंडल के जो रेल कर्मचारी वेतन खाता रखेंगे उन कर्मचारियों को 10 लाख रूपये के नि:शुल्क टर्म लाइफ इंश्योरेंस तथा 100 लाख तक के नि:शुल्क व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा के साथ ही न्यूनतम दर पर वैकल्पिक स्वास्थ्य बीमा के अलावा अस्पताल नकद लाभ बैंक द्वारा अधिकतम 30, 000 प्रतिवर्ष प्रदान करने के अतिरिक्त अन्य बहुत सी सुविधायें प्रदान की जायेंगी। इस समझौता ज्ञापन (MOU) को रायपुर मंडल की ओर से मंडल कार्मिक अधिकारी/प्रभारी श्री राहुल गर्ग तथा यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की ओर से श्री अनुज कुमार सिंह द्वारा हस्ताक्षर किये गये। कार्यक्रम में रायपुर मंडल के अधिकारीगण तथा यूनियन व एसोसिएशन के पदाधिकारीगण भी उपस्थित थे। अंत में मंडल कार्मिक अधिकारी श्रीमती निकिता अग्रवाल द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया।

रायपुर टर्मिनल पर संरचना-मउंटेड सोलर पॉवर प्लांट स्थापित

रायपुर (विश्व परिवार)। इंडियन ऑयल अडानी वेंचर्स लिमिटेड ने अपने (गुजरा, लखोली) रायपुर टर्मिनल पर संरचना-मउंटेड सोलर पॉवर प्लांट स्थापित किया है, जिसका उद्घाटन उनके प्रबंध निदेशक. कैप्टन. अनुभव जैन ने 11 जून को किया। यह स्थापना उनकी उर्जा जरुरतों का लगभग 45 प्रतिशत पूरा करने में सहायक होगी। साथ ही सीएसआर के तहत ग्राम पंचायत गुजरा में सामुदायिक भवन एवं ग्राम पंचायत देवदा के आश्रित ग्राम सोनपैरी मे नए कंप्यूटरों के साथ सर्व सुविधा युक्त कंप्यूटर प्रशिक्षण भवन का भी उद्घाटन किया गया।

अंधड़ प्रभावित सरायपाली में विद्युत आपूर्ति बहाली के दौरान ई.ई. के ऊपर गिरी पेड़ की शाखा

गंभीर, अस्पताल में भर्ती, मुख्यमंत्री द्वारा श्रेष्ठतम उपचार के निर्देश

रायपुर (विश्व परिवार)। तेज आंधी-तूफान-बारिश के कारण 13 जून 2024 को सरायपाली अंचल में विद्युत आपूर्ति बाधित हुई, जिसमें सुधार के लिए बिजली कर्मियों के दल के साथ कार्यपालन अभियंता (एक्जिक्यूटिव इंजीनियर) श्री आर.के अरोरा भी मौके पर उपस्थित थे। पीपल पेड़ की एक मोटी शाखा उनके ऊपर गिर जाने से श्री अरोरा गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। घटना की जानकारी श्री पी. दयानंद, अध्यक्ष छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कंपनी द्वारा तत्काल मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय को दी गई। जिस पर श्री साय ने श्री अरोरा को श्रेष्ठतम उपचार दिलाने के निर्देश दिए, साथ ही उनकी कर्तव्य-परायणता की सराहना की है।

श्री दयानंद ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री साय ने इस बात को लेकर संतोष जताया है कि प्राकृतिक संकट के दौरान विद्युत मण्डल के अधिकारी और कर्मचारी दिन-रात की परवाह किए बिना फील्ड पर अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। अपने मातहत दल के साथ सुधार कार्यों में तत्परता दिखा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि 13 जून के आंधी-तूफान-बारिश में सरायपाली शहर सहित आसपास के गांवों, बलौदा, मलदामाल आदि स्थानों पर 33 के.वी. तथा 11 के.वी. लाइनों के ऊपर पेड़ों की भारी शाखाएं टूटकर गिर गई थी। 11 के.वी के 7 तथा 132 के.वी के 5 फीडर प्रभावित हुए थे। रात करीब 9:30 बजे जब सरायपाली में 33 के.वी. उपकेंद्र के पास 33 के.वी. लाइन पर सुधार किया जा रहा था, तब पीपल पेड़ की एक मजबूत टहनी श्री अरोरा के ऊपर गिर गई, जिससे उनके सिर, पसलियों और पैरों में चोट आई है। वे बेहोश होकर गिर पड़े थे। घटना की सूचना तत्काल एम.डी. पारेषण श्री राजेश कुमार शुक्ला, ई.डी. श्री भीमसिंह कंवर तथा श्री संदीप वर्मा को मिली। निर्देशानुसार श्री अरोरा को रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल लाया गया। उनकी हालत स्थिर बताई गई है। एम.डी. श्री शुक्ला ने अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ अस्पताल पहुंचकर श्री अरोरा तथा उनके परिवारजनों से भेंट की तथा उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है। इस घटनाक्रम के बीच सरायपाली में विद्युत आपूर्ति बहाली का काम भी पूरा किया गया।

भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा विज्ञान संकाय के शिक्षकों एवं मानक क्लब मेंटर्स के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय मानक ब्यूरो ने 13-14 जून 2024 को होटल सैमरॉक ग्रीन्स बॉय जारडीन, रायपुर में स्टैंडर्स क्लषब के मेंटर्स के लिए दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें 90 से अधिक शैक्षणिक संस्थानों से 120 से अधिक शिक्षकों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। इसके साथ ही भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा मानकों के माध्यम से विज्ञान शिक्षण हेतुमानक क्लब के मेंटर्स एवं विज्ञान संकाय से संबंधित शिक्षकों के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण सफलतापूर्वक आयोजित किया। भारतीय मानक ब्यूरो की पहल -मानकों के माध्यम से विज्ञान शिक्षण जिसका उद्देश्य मानकों के माध्यम से छात्रों के बीच वैज्ञानिक ज्ञान और समझ को बढ़ावा देना है। इस पहल के तहत, आम जीवन मे इस्तेमाल हेने वाली उत्पादों में प्रयुक्त विज्ञान के सिद्धांतों को 50 से अधिक पाठ योजनाओ को विकसित किया गया। विज्ञान के शिक्षकों को इन पाठ योजनाओ पर प्रशिक्षित किया गया जिससे वह अपनी शिक्षण विधि में अनुप्रयोग कर सकें।

श्री सुमित कुमार वैज्ञानिक-ई/निदेशक एवं प्रमुख भारतीय मानक ब्यूरो, रायपुर शाखा कार्यालय ने जानकारी दी की भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा देश भर में 10, 000 से अधिक स्टैंडर्ड क्लब स्थापित किए है, जिनमें पाँच लाख से अधिक विद्यार्थी सदस्य के रूप में जुड़े हुए है। छत्तीसगढ़ राज्य में 176 शैक्षणिक संस्थानों में स्टैंडर्ड क्लब स्थापित है, जिनमें पांच हजार से अधिक विद्यार्थी सदस्य के रूप में जुड़े हुए है। इन क्लबों के अंतर्गत विभिन्न प्रकार की गतिविधियां जैसे- मानक लेखन प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता एवं मानकों पर परिचर्चा, उद्योगों/ प्रयोगशालाओं आदि में एक्सेपोजर विजिट के माध्यिम से गुणवत्ता एवं मानकीकरण के क्षेत्र मे युवा प्रतिभाओं को सीखने का अवसर मिलता है। भारतीय मानक ब्यूरो, रायपुर शाखा कार्यालय के अधिकारियों द्वारा प्रतिभागियों को भारतीय मानक ब्यूरो के कार्यक्रमों, मानक क्लबों का संचालन, संरक्षकों की भूमिका एवं मानकों के मध्ययम से विज्ञान शिक्षण के बारे मे प्रशिक्षण दिया गया, जिनमें श्री राहुल कुमार गुप्ता, वैज्ञानिक-सी/उप-निदेशक, श्री ऋषव सिन्हा, वैज्ञानिक-बी/सहायक निदेशक और श्री आशीष अग्रवाल, वैज्ञानिक-बी/सहायक निदेशक शामिल थे।

श्री 1008 मुनिसुव्रतनाथ सौभाग्यम् तीर्थ की पत्रिका का विमोचन शंकर नगर दिगम्बर जैन मंदिर में किया गया

रायपुर (विश्व परिवार)। गणधर तीर्थ प्रणेता आचार्य श्री 108 सिद्धांतसागर जी महाराज की शिष्या भारत गौरव गणिनी आर्यिकारत्न श्री 105 सौभाग्यमति माताजी की प्रेरणा से छत्तीसगढ़ में सर्वप्रथम शनिग्रहारिष्ट निवारक श्री 1008 मुनिसुव्रतनाथ सौभाग्यम् तीर्थ की स्थापना होने जा रही है। इस क्षेत्र के पर केवल धार्मिक ही नही अपितु सामाजिक, शैक्षणिक गतिविधियाँ भी संचालित की जायेगी जिससे समाज के सर्वांगीण विकास को गति प्रदान की जा सकेगी।

श्री 1008 मुनिसुव्रतनाथ सौभाग्यम् तीर्थ की पत्रिका का विमोचन आर्यिकारत्न श्री सौभाग्यमति माताजी ससंघ के सानिध्य मे गत दिवस श्री 1008 चंद्रप्रभ दिगम्बर जैन मंदिर शंकर नगर रायपुर मे हुआ। विमोचन के दौरान विशेष रूप से ब्रह्मचारी श्री पंकज भईया जी, श्री भैयालाल जैन, प्रदीप जैन दैनिक विश्व परिवार, एम एल जैन, विपुल जैन, संतोष जैन, सुधांशु जैन, विजय जैन, अजय जैन, स्नेह जैन, प्रियेश जैन आदि मौजूद रहे।

यह क्षेत्र रायपुर-नागपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर राजनांदगांव (छ.ग.) से 10 कि. मी. पहले मुख्य मार्ग पर ठाकुरटोला (टोल प्लाजा के पास) से मात्र 400 मीटर अन्दर स्थित है। छत्तीसगढ़ होकर श्री सम्मेद शिखर की यात्रा पर जाने वाले प्रत्येक साधुजन इस मार्ग से होकर निकलते है। अत: इस क्षेत्र की स्थापना होने पर सभी साधुओं की वैय्यावृति करने का सौभाग्य भी प्राप्त हो सकेगा।

'मेरी ज़िन्दगी पानी की बूंदों से' कार्यशाला में पॉन्डमैन तंवर ने कहा- खुद पेड़ लगाएं, अपने हिस्से की हवा-पानी के लिए दूसरों पर आश्रित न रहें

तालाबों को सहेजकर रखना हर पीढ़ी का दायित्व, जल चौपाल और सेल्फी विथ पॉन्ड से जुड़ें युवा

रायपुर (विश्व परिवार)। जल संचय, संरक्षण व संवर्धन के प्रति सामूहिक प्रयासों को गति देने रायपुर जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में आयोजित मेरी ज़िन्दगी पानी की बूंदों से कार्यशाला में पॉन्डमैन ऑफ इंडिया श्री रामवीर तंवर ने जरूरी टिप्स दिए। कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री अबिनाश मिश्रा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विश्वदीप के साथ शहर के समाज सेवी व स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि, जल उपयोगिता से जुड़े राज्य शासन के विभिन्न विभागों के तकनीकी अधिकारी तालाबों के संरक्षण, संवर्धन के विभिन्न उपायों के साथ ही शहरी वन निर्माण व प्रबंधन विषयक महत्वपूर्ण विचारों से इस कार्यशाला में अवगत हुए। कार्यशाला में बतौर वक्ता ग्राउंड वॉटर एवं रैन वॉटर एक्सपर्ट डॉ. कुंडलेश्वर पाणिग्रही ने भी उपयोगी जानकारी देकर पानी की हर बूंद के संचय का आह्वान किया।

स्थानीय शहीद स्मारक भवन सभागार में प्रमुख वक्ता के तौर पर पर्यावरणविद् रामवीर तंवर ने आह्वान किया कि हर नागरिक अपनी जरूरत के पानी व हवा की जिम्मेदारी खुद लें, इसके लिए उनका संदेश था कि हर व्यक्ति अपने नज़दीकी तालाब या जल निकाय को साफ और सुरक्षित रखें और ऑक्सीजन की अपनी जरूरत को पूरा करने दूसरों के प्रयासों में आश्रित न रहकर एक से अधिक पेड़ लगाए व उसको जीवन दें। तंवर 80 से भी अधिक तालाबों की सफाई कर उसे नया जीवन दे चुके है। सेल्फी विथ पॉन्ड और जल चौपाल उनके ऐसे अभियान रहे है, जिससे लाखों लोगों का जुड़ाव तालाबों से हुआ। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने रेडियो कार्यक्रम मन की बात में भी तंवर की सराहना की है, उन्हें इस कार्यक्रम के 100वें एपिसोड में देश के 100 चयनित लोगों में बतौर अतिथि शामिल किए गए। बंजर भूमि को उपजाऊ भूमि में बदलकर शहरी वन तैयार करने में भी तंवर विशेषज्ञ है। तंवर ने कहा कि प्रकृति की सेवा व सुरक्षा हर व्यक्ति का दायित्व है एवं संस्था के आकार या अपनी विशेषज्ञता का ध्यान रखे बिना हर व्यक्ति को पर्यावरण संरक्षण हेतु जागरूक रहकर कदम उठाना चाहिए।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि रायपुर अपनी सेवा धर्मिता एवं नवाचारों के लिए ख्यातिलब्ध है, ऐसे में तालाबों के संरक्षण व संवर्धन की दिशा में एक लक्ष्य निर्धारित कर त्वरित कदम उठाने होंगे। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञों के मार्गदर्शन के अनुरूप तालाबों के शहर रायपुर के जल निकायों के संरक्षण, संवर्धन के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि पर्यावरण संरक्षण व सुधार के लिए सामूहिक प्रयास किए जाएंगे एवं इसके लिए रोडमैप तैयार कर गतिविधियों को अंतिम रूप दिया जाएगा।

पत्रकारिता विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य व्यक्ति का सर्वांगीण विकास: प्रसन्ना आर

रायपुर (विश्व परिवार)। कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के विश्वविद्यालय में क्रियांवयन को लेकर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए सचिव उच्च शिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ शासन प्रसन्ना आर ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति विद्यार्थी के सर्वांगींण विकास को केंद्रित कर तैयार की गई है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य है कि व्यक्ति स्वावलंबी होकर नैतिक मूल्यों से परिपूर्ण रहे। छत्तीसगढ़ प्रदेश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 शैक्षणिक सत्र 2024-25 से लागू की जा रही है। इस संबंध में शासन स्तर पर सभी तैयारियां की जा रही हैं। पत्रकारिता विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति का बेहतर क्रियांवयन हो और यह विश्वविद्यालय पूरे प्रदेश में आदर्श के रूप में स्थापित हो ऐसी मेरी अपेक्षा है।

कार्यक्रम के मुख्यवक्ता राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के राज्य नोडल अधिकारी प्रो जी. ए. घनश्याम ने विषय एनईपी 2020 के माध्यम से भारत को विकसित भारत के रूप में बदलना पर बोलते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का उद्देश्य शिक्षा के संस्कार को पैदा करना है। जिसमें भारतीय परंपरा, ज्ञान और कौशल के समावेश पर जोर दिया गया है। यह शिक्षा नीति हमारे देश को विकासशील से विकसित भारत की और ले जायेगी। वहीं विद्यार्थियों में कौशल का विकास करेगी, जिससे वह काम लेने वाले नहीं बल्कि काम देने वाले बन सकें। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति विद्यार्थियों के लिए वरदान है। इसमें कौशल, नैतिक मूल्य और स्वावलंबन पर विशेष जोर दिया गया है। इससे विद्यार्थियों में विविध ज्ञान का विस्तार होगा। च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम पर आधारित राष्ट्रीय शिक्षा नीति विद्यार्थियों में शिक्षा का एक नया परिदृश्य सामने रखती है।

कार्यशाल में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 कार्य समूह के सदस्य सचिव प्रो. डी. के. श्रीवास्तव ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रेडिट व्यवस्था को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मल्टीपल एग्जिट और मल्टीपल एंट्री पर महत्व दिया गया है।

कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बल्देव भाई शर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 विद्यार्थियों के व्यक्तित्व के समग्र विकास को प्रोत्साहित करेगी। व्यावसायिक कौशल के साथ ही बहुभाषी शिक्षा और समग्र विकास पर जोर देकर विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, रचनात्मकता और नैतिक मूल्यों का संवर्धन करेगी, जिससे विद्यार्थी भविष्य के लिए बेहतर ढंग से तैयार हो सकें। शिक्षा और पत्रकार का उद्देश्य ही नैतिक मूल्यों को संवर्धित करना है। जिसके लिए यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 मील का पत्थर साबित होगी।

कार्यशाला के संयोजक एवं प्रभारी कुलसचिव डॉ. नरेन्द्र त्रिपाठी ने कार्यशाला प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति को केंद्रित कर पाठ्यक्रमों के संचालन पर बल दिया जा रहा है।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा मे. विश्व परिवार इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं.-421 सेक्टर-सी, सड़क नं.-7 उरला इंडस्ट्रीयल एरिया उरला, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354